दैनिक

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

क्यूँ न लिखूँ सच

वर्षः- 05
अंकः- 207
मुरादाबाद
(Wednesday)
19 November 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी का सख्त निर्देश- पुलिस से जुड़े मामलों में करें सख्त कार्रवाई, की गोसेवा, मोर को भी दुलारा

सीएम योगी ने कहा- वो दौर खत्म... जब पीड़ित तड़पता, भटकता था- अपराधी मौज करते थे;अब अपराधी बच नहीं सकते

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनने के दौरान दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को दो टूक हिदायत दी है कि पुलिस से जुड़े मामलों में सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। पीड़ितों की मदद में विलंब और लापरवाही कतई नहीं होनी चाहिए। जनता की समस्याओं के समाधान में किसी तरह की लापरवाही हुई तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई भी तय है।किसी पीड़ित की समस्या के समाधान में अगर कहीं भी कोई दिक्कत आ रही है तो उसका पता लगाकर निराकरण कराया जाए और किसी स्तर पर जानबूझकर कर प्रकरण को लंबित रखा गया है तो संबंधित की जवाबदेही तय की जाए। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनने के दौरान दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सीएम योगी ने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है।हर समस्या का वह प्रभावी निस्तारण कराएंगे। इसे लेकर उन्होंने प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को मौके पर ही दो टूक समझाया कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। कुछ प्रकरणों पर उन्होंने अफसरों को निर्देशित किया कि यह भी पता लगाएं कि यदि किसी को प्रशासन का सहयोग नहीं मिला है तो ऐसा क्यों और किन कारणों से हुआ। हर पीड़ित की त्वरित मदद की जाए। उन्होंने जमीन कब्जाने की शिकायतों पर विधि सम्मत कठोर कदम उठाने का निर्देश दिया। हर बार की तरह इस बार भी जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। इस पर सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि जल्द से जल्द अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध करा दें। इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त मदद की जाएगी। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को प्यार-दुलारकर सीएम योगी ने उन्हें चॉकलेट दिया। सीएम ने की गोसेवा, मोर को भी दुलारा- गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मंगलवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। मंदिर की गोशाला में पहुंचकर गोसेवा की। गायों और गोवंश को स्नेहिल भाव से गुड़-रोटी खिलाया। गोशाला में सीएम योगी के पहुंचने पर प्रायः एक मोर भी उनके पास आ जाता है। मुख्यमंत्री ने उसे भी दुलारा और अपने हाथों से रोटी खिलाया। सीएम योगी ने बताया कि गोरखपुर में अपग्रेडेड फॉरेंसिक साइंस लैब में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी जो सटीक जांच करेंगी। यह लैब मॉडर्न पुलिस के लिए गेम चेंजर साबित होगी। त्वरित और पुख्ता जांच होने से लोगों को समय से सुसंगत न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक साइंस लैब अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति का ही हिस्सा हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 के बाद का नया उत्तर प्रदेश अपराध को कतई स्वीकार नहीं करता है। यदि किसी ने यहां अपराध करने की जुर्रत की तो उसे हरहाल में उसकी कीमत भी चुकानी होगी। वह दौर खत्म हो गया जब पीड़ित तड़पता, भटकता था और अपराधी मौज-मस्ती करते थे।अब प्रदेश सरकार ने जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत साक्ष्य संकलन और फॉरेंसिक साइंस लैब्स (विधि विज्ञान प्रयोगशाला) के जरिए इसके प्रमाणन की ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित कर दी है कि कोई भी अपराधी बच नहीं पाएगासीएम योगी मंगलवार को बी से ए क्लास में उच्चीकृत क्षेत्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला (आरएफएसएल) गोरखपुर के नवीन उच्चीकृत भवन के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। छह मंजिला हाईटेक नवीन भवन के निर्माण पर 72.78 करोड़ रुपये की लागत आई है। उच्चीकृत आरएफएसएल का फीता काटकर उद्घाटन करने और यहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने फॉरेंसिक जांच की अत्याधुनिक सौगात के लिए पूर्वी उत्तर प्रदेश की जनता को बधाई देते हुए कहा कि आबादी के लिहाज से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के बावजूद 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में सिर्फ चार फॉरेंसिक साइंस लैब थे। सरकार बनने के बाद उन्होंने यह तय किया कि हर कमिश्नरी में एक फॉरेंसिक साइंस लैब होनी चाहिए। इससे आठ वर्षों में इनकी संख्या बढ़कर 12 हो गई है। छह लैब निर्माणाधीन हैं।। इससे कुछ ही घंटों में पुख्ता साक्ष्य संकलन हो जा रहा है और लैब में उसकी जांच के बाद पीड़ित को सहज और सुगम न्याय मिल जाएगी। अब कोई भी अपराधी बच नहीं पाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले साक्ष्य इकट्ठे होने पर भी अच्छी फॉरेंसिक साइंस लैब के अभाव में अपराधी बच जाते थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में गत वर्ष जुलाई से तीन नए कानून (भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य संहिता 2023) लागू होने के बाद फॉरेंसिक साइंस लैब्स की उपयोगिता और बढ़ गई है। नए कानून में सात वर्ष से अधिक कारावास वाले अपराधों में फॉरेंसिक जांच को अनिवार्य कर दिया है। इन कानूनों के लागू होने से काफी पहले ही यूपी सरकार ने लैब्स स्थापित करने की तैयारी शुरू कर दी थी। फॉरेंसिक साइंस लैब्स से रोजगार का सृजन भी होगा सीएम योगी ने कहा कि फॉरेंसिक साइंस लैब्स से युवाओं के लिए नए रोजगार का सृजन भी होगा। इसके लिए सरकार ने लखनऊ में यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस की स्थापना की है। यहां लैब टेक्नीशियन के लिए सर्टिफिकेट, लैब में साक्ष्य मिलान करने वालों के लिए डिप्लोमा और विशेषज्ञ के लिए डिग्री कोर्स शुरू किए गए हैं। फॉरेंसिक साइंस लैब्स नए समय में नए अपराधों को रोकने के लिए वैज्ञानिक साक्ष्य उपलब्ध कराने के प्रयासों का हिस्सा हैं। उन्होंने बताया कि अत्याधुनिक यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस में एडवांस डीएनए डायग्नोस्टिक, एआई, ड्रोन, रोबोटिक लैब उपलब्ध है। यहां नैनो से लेकर 40 किलो वजनी ड्रोन संचालित किए जा सकते हैं। मॉडर्न पुलिस के लिए गेम चेंजर बनेगी फॉरेंसिक साइंस लैब- सीएम योगी ने बताया कि गोरखपुर में अपग्रेडेड फॉरेंसिक साइंस लैब में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी जो सटीक जांच करेंगी। यह लैब मॉडर्न पुलिस के लिए गेम चेंजर साबित होगी। त्वरित और पुख्ता जांच होने से लोगों को समय से सुसंगत न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक साइंस लैब अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति का ही हिस्सा हैं। सरकार का लक्ष्य साइबर फॉरेंसिक को वैश्विक मानक तक ले जाने का है।

संक्षिप्त समाचार

देश में हर आठ मिनट में लापता हो रहा एक बच्चा; सुप्रीम कोर्ट चिंतित, कहा- ये एक गंभीर मुद्दा

देश के सर्वोच्च न्यायालय में एक समाचार रिपोर्ट पर चिंता जताई है। दरअसल, रिपोर्ट के मुताबिक, देश में हर आठ मिनट में एक बच्चा लापता हो रहा है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताते हुए इसे एक गंभीर मुद्दा कहा है।उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एक समाचार रिपोर्ट पर चिंता व्यक्त की, जिसमें दावा किया गया था कि देश में हर आठ मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है। न्यायालय ने इसे एक गंभीर मुद्दा बताया। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने मामले में कहा कि देश में गोद लेने की प्रक्रिया जटिल है और केंद्र से इस प्रणाली को सरल बनाने को कहा गया।देश में गोद लेने की प्रक्रिया कठोर- सुप्रीम कोर्ट मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति नागरत्ना ने मौखिक रूप से कहा, %मैंने अखबार में पढ़ा है कि देश में हर आठ मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है। मुझे नहीं पता कि यह सच है या नहीं। त ने टिप्पणी की कि गोद लेने की प्रक्रिया कठोर होने के कारण, इसका उल्लंघन होना स्वाभाविक है और लोग बच्चे पैदा करने के लिए अवैध तरीके अपनाते हैं।सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को दिया 9 दिसंबर तक का वक्त- सुनवाई के दौरान, केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने लापता बच्चों के मामलों को देखने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने हेतु छह सप्ताह का समय मांगा।

अजित पवार पर 500 करोड़ के अस्पताल घोटाले का आरोप, बावनकुले बोले- लिखित शिकायत पर उठाया जाएगा कदम

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार पर एक और घोटाले का आरोप लगा है। इस बार एक समाजिक कार्यकर्ता ने उन पर 500 करोड़ के अस्पताल घोटाले का आरोप लगाया है। वहीं इस पर पूछे गए सवाल पर राज्य के मंत्री चंद्रशेखर बवानकुले ने कहा है कि मामले में लिखित शिकायत के बाद ही कोई कदम उठाया जाएगा।महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और राकांपा प्रमुख अजित पवार एक बार फिर विवादों के घेरे में हैं। इस बार सामाजिक कार्यकर्ता अंजली दमानिया ने उन पर 500 करोड़ रुपये के अस्पताल घोटाले का आरोप लगाया है। अंजली दमानिया का दावा है कि बीएमसी की तरफ से बनाया गया शताब्दी अस्पताल अजित पवार के रिश्तेदारों से जुड़ी संस्था को सौंपा जा रहा है।लिखित शिकायत उठाया जाएगा कदम- बावनकुले- महाराष्ट्र मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि उन्हें इस मामले की जानकारी नहीं है। उन्होंने साफ कहा कि %जब मामला सरकार के पास लिखित में आएगा, तब इस पर निर्णय लिया जाएगा। यानी सरकार आधिकारिक शिकायत का इंतजार कर रही है। %पवार परिवार को सौंपा जा रहा है तैयार अस्पताल%- अंजली दमानिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक रिपोर्ट शेयर करते हुए लिखा कि 580 बेड का शताब्दी अस्पताल, जो बीएमसी ने बनाया है, उसे पीपीपी मॉडल पर दिया जा रहा है। इस अस्पताल की बोली पद्मसिंह पाटिल की टर्ना पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट ने लगाई है,

जिनका परिवार अजित पवार से जुड़ा माना जाता है। उनका कहना है कि पास ही आरएसएस भी अस्पताल बना रही है, लेकिन तैयार अस्पताल पवार परिवार की तरफ जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर भी तंज कसते हुए लिखा कि पूरा महाराष्ट्र नेताओं को ही सौंप देना चाहिए। सरकार बोली- आरोप लगना राजनीति का हिस्सा- वहीं इस मामले में राज्य मंत्री पंकज राजेश भोयर ने इन आरोपों पर कहा, %राजनीति में सक्रिय किसी भी व्यक्ति पर आरोप लगना सामान्य बात है। जांच से पहले किसी आरोप पर प्रतिक्रिया देना ठीक नहीं।% अन्य विवादों से भी जुड़ा नाम- अजित पवार हाल ही में पुणे के मुंधवा इलाके की 40 एकड़ सरकारी जमीन की बिक्री को लेकर भी घिरे हुए थे। आरोप है कि जमीन को कम कीमत पर बेचा गया, स्टांप ड्यूटी से बचने की कोशिश हुई, डील एक ऐसी फर्म से जुड़ी है जिसका संबंध अजित पवार के बेटे पार्थ पवार से बताया गया। हालांकि मामले में एफआईआर दर्ज है, लेकिन पार्थ पवार का नाम शामिल नहीं है। मुख्यमंत्री फडणवीस का कहना है कि एफआईआर उन पर दर्ज होती है जो सीधे तौर पर डील में शामिल हों।

उमरा से लौट रहे परिवार की तीन पीढ़ियां हुईं खत्म; एक ही खानदान के नौ बच्चों समेत 18 की मौत

सऊदी अरब में तेल के एक टैंकर से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हुई एक बस में एक ही परिवार की तीन पीढ़ियों के 18 सदस्य सवार थे। सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी शेख नजीरुद्दीन अपनी पत्नी, बेटे, तीन बेटियों और पोते-पोतियों के साथ मदीना जा रहे थे।सऊदी अरब के मदीना में एक बस के तेल टैंकर से टकरा जाने के बाद कम से कम 42 भारतीय उमरा जायरीन की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों में से अधिकतर तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के जायरीन थे जो उमरा करने गए थे। इस हादसे में एक ऐसा भी बदनसीब परिवार है। जिसकी तीन पीढ़ियों के 18 सदस्यों की मौत हो गई। हादसे का शिकार हुआ ये बदनसीब परिवार- जेद्दा से लौट रही बस में एक ही परिवार की तीन पीढ़ियों के 18 लोगों की मौत हो गई। इनमें नौ बड़े और नौ बच्चे थे। मोहम्मद असलम ने बताया कि उनके चाचा सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी शेख नसीरुद्दीन (70), उनकी पत्नी अख्तर बेगम (62), बेटा सलाउद्दीन (42), बेटियां अमीना (44), रिजवाना (38), और शबाना (40) और उनके बच्चे मृतकों में शामिल हैं। असलम ने घटना की पूरी जांच की मांग की। उन्होंने उस ट्रैवल एजेंसी की भी जांच की मांग की जिसके माध्यम से ये लोग सऊदी अरब गए थे। नजीरुद्दीन का एक और बेटा इस समय अमेरिका में है। बता दें कि हज के वक्त के अलावा मक्का-मदीना की साल भर होने वाली धार्मिक यात्रा को उमरा कहा जाता है। मृतकों के परिजनों ने बयां किया दर्द, कहा- शव बुरी तरह जले, अपनों की पहचान करना भी मुश्किल- सऊदी अरब में बस हादसे के बाद हैदराबाद निवासी मुफ्ती आसिफ ने बताया कि उनके परिवार के सात सदस्य उमराह के लिए सऊदी गए थे। इनमें से कोई नहीं बचा। सभी शव बुरी तरह जल गए हैं, जिससे उनकी पहचान नहीं हो पा रही। उन्हें सऊदी जाने में मदद करने की मांग की। वहीं, हैदराबाद के ही मोहम्मद सलमान ने बताया कि उनके परिवार के छह लोग बस में थे। मोहम्मद सलमान ने बताया कि जब उन्होंने अपने परिवार के लोगों से आखिरी बार बात की थी तब वे मदीना से दो घंटे की दूरी पर थे, उसके बाद सभी तरह का संपर्क टूट गया। तेलंगाना के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने भी कहा कि हादसे में शव बुरी तरह जल गए हैं। इन लोगों ने चार अलग-अलग ट्रैवल एजेंटों की सेवाएं ली थीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पीड़ितों के परिवारों को सऊदी अरब जाने में मदद करने का वादा किया है, इसमें पासपोर्ट और वीजा की सुविधा भी शामिल है। हैदराबाद के एक अन्य निवासी मोहम्मद बुरहान के अनुसार, एकमात्र जीवित बचे व्यक्ति, शोएब खिड़की तोड़कर बस से कूदकर भागने में कामयाब रहे, इस दौरान उनके हाथ जल गए। बुरहान ने बताया कि उन्होंने एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी को फोन करके घटना की जानकारी दी। कब हुआ हादसा?-नौ नवंबर को यहां से 54 लोग उमराह के लिए जेद्दा गए थे। उन्हें 23 नवंबर को लौटना था। इन 54 लोगों में से चार लोग रविवार को अलग-अलग कार से मदीना गए जबकि चार अन्य मक्का में ही रुक गए। अधिकारी के अनुसार, घटना में शामिल बस में 46 लोग यात्रा कर रहे थे, जो मदीना से लगभग 25 किलोमीटर दूर एक तेल टैंकर से टकरा गई।

संपादकीय Editorial

32 cities targeted…

Fifteen doctors from Faridabad's Al Falah University are missing, but investigative agencies are searching for 200 such terrorist doctors across the country. Mosques and hideouts will also be thoroughly investigated where the absconding terrorist doctors may be hiding or whose role in this new form of terrorism is suspected and questionable. In light of the unfolding layers related to the terrorist doctors, the plots of Al Qaeda leaders like bin Laden and al-Zawahiri are also being foiled. Conspiracy meetings were held in Room 13 of Building 17 at Al Falah University. It was decided to purchase 32 cars, which would be used to carry out suicide bombings in 32 cities across the country. Now, the investigating agency, the NIA, has also revealed that the car bombing near the Red Fort was not a rash act or an accident, but a suicide attack, and that Dr. Umar Nabi was a suicide bomber. It has now been revealed that the terrorist doctors had raised a terrorist fund of ?20 lakh. Investigating agencies are also questioning the hawala agents through whom this money reached the terrorists. This terrorist fund was handed over to Umar Nabi. Umar purchased ?3 lakh worth of fertilizer from Nuh (Mewat), Haryana. This fertilizer has been used as a material for making bombs. Before the 9/11 Delhi bombings, Umar Nabi rented a room in Nuh's Hidayat Colony and stored explosives there. CCTV footage captured Umar's movements between Nuh and Al Falah University. Investigating agencies have examined over 1,300 such CCTV footage. The room where the conspiracy meetings took place belonged to Associate Professor Dr. Muzammil, which has now been sealed. Investigating agencies have recovered diaries, pen drives, and digital data from Room 4, the residence of Dr. Umar Nabi, a former assistant professor. Numerous pseudonyms have been revealed in these files. Efforts are underway to investigate and uncover the truth. The terrorist doctors communicated and stayed in touch with each other through the "Threema app." This app is not linked to a mobile number, making them difficult to detect. The terrorists were not only active in Kashmir, Delhi, Uttar Pradesh, and Faridabad, but their connections extended to Saudi Arabia, Turkey, Dubai, and Nepal. Handlers from the terrorist organization Jaish-e-Mohammed were also present in these countries and cities, and the terrorist doctors received instructions from there. It has also been revealed that Dr. Shaheen Saeed, also known as "Madam Surgeon," was planning to flee to Nepal. She wanted to open a "recruitment center" for female jihadists in Hapur, Uttar Pradesh, and Uttarakhand. Shaheen's plan was to have a clinic on the ground floor and a jihadist training center in the basement, but she was caught by police and security forces. The secrets of Al Falah University are also being exposed. It is undoubtedly a "terror hub." In light of the current developments, the National Assessment and Accreditation Council (NAAC) has issued a "show cause" notice to the university, following the UGC's orders. The Enforcement Directorate will investigate terrorist funding and money trails. The doctors' financial transactions will also be investigated. The Association of Indian Universities (AIUM) has revoked Al Falah's membership. The Indian government's Ministry of Minority Affairs also provided Al Falah with crores of rupees in aid. The reasons for this will also be investigated. The MBBS course at Al Falah used to cost ?70 lakh for five years. Namaz was offered on campus, and women were forced to wear the hijab. 40% reservation was given to Muslim students and 40% of seats were reserved for Kashmiri students. Two separate FIRs have been filed against Al Falah University under the UAPA.

Congress, trapped in the grip of leftist thinking, is far from genuine issues and ideas that touch the public conscience.

This group always uses communalism as an issue against the BJP. The BJP has found a way to counter this, which is why it defeats the Congress in most elections. Due to its own ideology, the Congress has been reduced to the role of a younger brother to parties that emerged on the foundation of anti-Congressism in states like Uttar Pradesh and Bihar. Literate and informed people are beginning to understand the hidden messages of these symbols, but the Congress remains incomprehensible. In Bihar's 243-seat assembly, the Congress contested 61 seats and won only six, yet Rahul's ideology and strategy remain unquestioned within the party. Rahul failed in Bihar because he failed to convey his message to the people. In politics, there is an established tradition of conveying public messages through symbols. The ritualistic interactions of top leaders with ordinary people has become a symbol of their goodwill and simplicity. A celebrity's normal appearance and ordinary actions have long been considered a guarantee of voter support. This is why, whenever Rahul Gandhi does this, expectations from him rise. It's another matter that this trick of achieving political success hasn't worked well for the Congress party. In Bihar, Rahul Gandhi made several attempts to embody the common man. During the "Voter Rights Yatra," he entered a waterlogged field of lotus seeds wearing socks, and later, during the election campaign, he entered a pond to fish with Mukesh Sahni. When Rahul Gandhi does this, a section of intellectuals considers it an unprecedented step. Similar expectations were raised when Rahul Gandhi planted paddy and drove a tractor in Sonipat during the Haryana elections. Both phases of the "Bharat Jodo Nyay Yatra" also witnessed numerous similar scenes. At that time, a section believed that Rahul Gandhi's efforts were beginning to change politics, but with the exception of Telangana, his actions yielded no electoral benefits. The question is, why are people not rallying behind the Congress despite Rahul Gandhi's populist initiatives? Congress, the representative party of the freedom movement, is an all-India organization. It can be proud of this, but it is steadily drifting away from the true issues and the ideas that resonate with the people, which energize the organization. Rahul Gandhi increasingly promotes the issues advocated by his leftist advisors. No matter how much the intellectual and academic world may be attracted to it, these issues have become unacceptable at the grassroots level. Privatization has its drawbacks, but it must be remembered that it has also increased its glamour. Even though the light of privatization has not reached a certain section, that section also aspires to achieve that glamour. Leftist ideology fails to understand this. It continues to pretend that, as in the past, the entire country is still shrouded in darkness. Because of these leftist advisors, the internal situation within the Congress has become such that some senior leaders are unable to muster the courage to offer their opinions on reviving the party. They fear that suggesting a bitter medicine could be detrimental to them. Therefore, they are avoiding giving their opinions. The social thinking of many advisors of the Congress high command is more influenced by leftist philosophy than by ground realities. According to this, the concept of hierarchy and casteism is the same across the country, but this is an incomplete truth. Casteism is a harsh reality in the country, but today it is impossible to understand the entire country through a single formula in the context of caste and religion. Rahul Gandhi's team of advisors repeatedly advises him to proceed with this formula, and he continues to repeat the same mistake. The entire country neither thinks nor behaves in the same way. The top leadership's advisory group is far removed from the colors, behaviors, and thoughts of the different parts of the country. Rahul Gandhi should learn from Indira Gandhi. Indira Gandhi had a deep understanding of Indian society. This is why, according to the time and regional traditions, she became a typical daughter-in-law in some areas and a modern woman in others. In some areas, she covered her head with a pallu, while in others, she did not. If Indira Gandhi were alive today and did so, she would likely be considered conservative by the current leaders of the Congress. During the freedom movement, many ideologies operated under the Congress umbrella. Aside from a slight leftist shift during Indira's time, the party's outlook remained largely centrist and socialist. During Indira's time, the left's influence wasn't so great that Congress could change its fundamental ideology, but today the party is significantly influenced by the left. Therefore, its issues are also influenced by it. The left's ideology frames every issue with a specific narrative. Its views on communalism, religion, and caste are unconventional. This group has consistently used communalism as an issue against the BJP. The BJP has found a way to counter this, which is why it defeats the Congress in most elections. Due to this very mindset, the Congress has been reduced to the role of the younger brother of parties that emerged on the foundation of non-Congressism in states like Uttar Pradesh and Bihar. Literate and informed people have started understanding the hidden messages of these symbols, but Congress is not able to understand it.

A lesson-inspiring incident, questions also raised about the transport of explosives from Faridabad to Srinagar.

Explosives recovered from a terrorist module discovered by the Jammu and Kashmir Police in Faridabad exploded at the Nowgam police station in Srinagar, killing nine people. Negligence and improper handling of the explosives led to this accident. The question is why the explosives were transported to Srinagar, and whether the investigation process needs improvement. Caution should be exercised in the handling of sensitive explosives like ammonium nitrate. Nothing is more unfortunate than the fact that the Jammu and Kashmir Police, whose extra vigilance led them to a dangerous terrorist module in Faridabad, were caught in the explosion of a part of the explosives they had recovered. Nine people lost their lives in the explosion at the Nowgam police station in Srinagar. The explosion originated in the explosive, ammonium nitrate, used in the car of a terrorist from the Faridabad module near the Red Fort in Delhi. The explosion in his car killed 13 people. If a thorough search for the remaining associates of the terrorists who stored the explosives in Faridabad had been given top priority as soon as they were found, the blast near the Red Fort could have been prevented. Similarly, if the explosives found in Faridabad had not been transported to Srinagar, the deadly incident at Nowgam police station could have been avoided. Both these incidents teach us that the police need to be more vigilant and change their working methods. The explosives recovered from the terrorists' hideout in Faridabad were taken to Nowgam police station in Srinagar because the FIR against this terrorist module had been registered there. Why was such a large quantity of explosives transported instead of just a small portion as a sample? It would be better to eliminate the requirement to transport sensitive explosives to the relevant police station. Ammonium nitrate is a very sensitive and unstable explosive. Even the slightest carelessness or adverse conditions can cause it to explode. It is not right that a large quantity of dangerous explosives was transported from Faridabad to Srinagar, and despite all the precautions, it exploded while being tested. Today, when terrorist networks have expanded nationwide and they are hiding deadly explosives in multiple locations, it shouldn't be necessary to transport them from every location to the same police station where the investigation began. This practice must be stopped in the case of explosives recovered from terrorists. Now, every state has an anti-terrorism squad. They should be able to investigate explosives for the police of other states. Why couldn't the explosives found in Faridabad have been investigated in Haryana itself? The question also arises: when it became clear as soon as the Faridabad module was busted that this was a terrorism-related case and that the National Investigation Agency would take over the investigation, why were the explosives taken to Srinagar?

महानगर में सड़कों के गड्ढों से मिलने लगी निजात, नहीं खाने पड़ेंगे हिचकोले

मुरादाबाद। महानगर की जर्जर सड़कों व उसके गड्ढे से अब लोगों को निजात मिलने लगी है। इन जर्जर सड़कों पर लंबे समय से लोग गड्ढों में हिचकोले खाते हुए वाहनों से गुजर रहे थे। जिससे हादसे भी हुए। नवंबर में संबंधित विभागों के अधिकारियों को इन सड़कों की सुध आई। महानगर के सिविल लाइंस, अटल पथ, वार्ड 18 हरथला के आशियाना फेज एक में कांठ रोड मुख्य मार्ग को

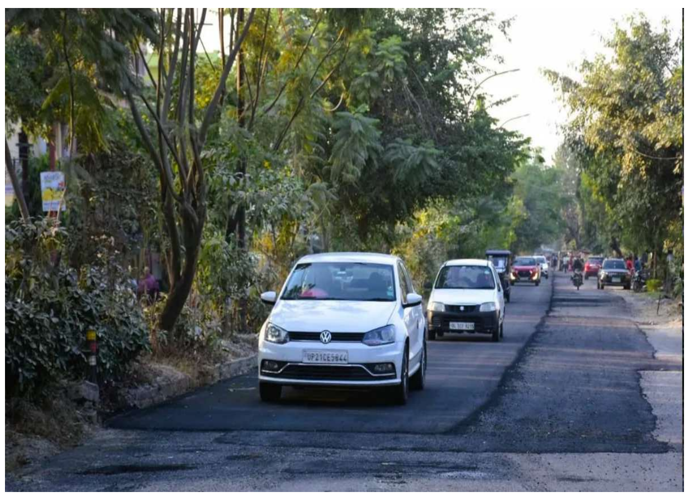

जोड़ने वाली सड़क पर बड़े गड्ढे अब नगर निगम व अन्य कार्यदायी विभागों के द्वारा भरवाए जा रहे हैं। हालांकि इन टूटी व गड्ढायुक्त सड़कों पर लोगों ने बरसात में हादसे की आशंका के बीच आवागमन किया। कई बार दो पहिया वाहन इन पानी भरे गड्ढों में असंतुलित होकर गिर गया जिससे वाहन से जाने वाले चोटिल भी हुए। लेकिन न तो नगर निगम व अन्य विभागों लोनिवि, एमडीए आदि ने सुधि ली। अब आशियाना फेज एक, फेज दो के अलावा रामगंगा विहार सहित अन्य कॉलोनियों व मुख्य मार्गों पर गड्ढे की पैच मरम्मत कराई जा रही है। जिससे लोगों को भले ही चमचमाती सड़क न मिल रही हो मगर गड्ढामुक्त सड़क की सुरक्षित लग रही है। गुणवत्ता को लेकर सवाल- गुणवत्ता को लेकर लोगों के मन में सवाल अब भी है कि क्या फौरी तौर पर गड्ढे भरकर की जा रही पैच मरम्मत कुछ महीने या साल तक टिकाऊ रहेगी या नहीं। फिलहाल लोग राहत महसूस कर रहे हैं। क्योंकि इन मार्गों पर स्कूल, निजी हास्पिटल, मैरिज हाल, बैंक्वेट हाल आदि भी स्थित हैं जहां से होकर हजारों लोगों की आवाजाही होती है।

रोमांच की सैर : अमानगढ़ टाइगर रिजर्व में पहले 15 दिनों में पहुंचे 375 पर्यटक

मुरादाबाद। जिले के अमानगढ़ टाइगर रिजर्व में पर्यटन सीजन की शुरुआत उत्साहजनक है। पर्यटकों के लिए 2 नवंबर से खोले गए रिजर्व में लगातार हर दिन औसतन 25 पर्यटक पहुंच रहे हैं। वन विभाग के अनुसार शुरुआती 15 दिनों यानी 16 नवंबर तक 375 से अधिक पर्यटक यहां घूमने पहुंचे। पर्यटकों की यह संख्या रिजर्व के लिए उत्साहजनक मानी जा रही है। वन सरंक्षक रमेश चंद्र ने बताया कि रिजर्व में रोजाना पर्यटकों की अच्छी खासी आवाजाही हो रही है। लोग परिवारों के साथ यहां वन्यजीवों और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने आ रहे हैं। पर्यटन की इस शुरुआत से अब तक विभाग को अच्छा-खासा राजस्व भी प्राप्त हुआ है।इतने में हो रहा है जंगल सफर अमानगढ़ टाइगर रिजर्व में घूमने के लिए पर्यटकों को कुल चार प्रकार के शुल्क देने होते हैं। जिप्सी शुल्क 2,280 रुपये, गाइड शुल्क 400 रुपये, वाहन प्रवेश शुल्क 300 रुपये प्रति वाहन और प्रति व्यक्ति प्रवेश शुल्क 100 रुपये है। आमतौर पर एक जिप्सी में अधिकतम छह पर्यटक सवारी कर सकते हैं। औसत के आधार पर अगर हर दिन लगभग चार जिप्सी रिजर्व में जाती हैं तो 15 दिनों में करीब 60 जिप्सियों की पार्किंग और सफारी दर्ज होगी। 16 नवंबर तक का राजस्व अनुमान- वन विभाग के अनुसार औसतन 25 पर्यटकों के हिसाब से 15 दिनों में कुल लगभग 375 पर्यटक पहुंचे। अब इन शुल्कों के आधार पर विभाग को प्राप्त राजस्व का अनुमान लगाया गया है। जिप्सी शुल्क (60 जिप्सी म 2,280 रुपये) = 1,36,800 रुपये, गाइड शुल्क (60 बार म 400 रुपये) = 24,000 रुपये, वाहन प्रवेश शुल्क (हर जिप्सी पर) = 18,000 रुपये, प्रवेश शुल्क (375 पर्यटक म 100 रुपये) = 37,500 रुपये। इस तरह कुल अनुमानित राजस्व लगभग 2,16,300 रुपये बनता है। पर्यटकों में बढ़ा उत्साह- डीएफओ जयसिंह कुशवाहा ने बताया कि पर्यटकों के अनुसार रिजर्व की हरियाली, टाइगर ट्रेल्स और पक्षियों की प्रजातियों को देखना रोमांचक अनुभव देता है। कई लोगों ने यहां पहली बार आकर जंगल सफारी का आनंद लिया। स्थानीय गाइडों के मुताबिक रोजाना ज्यादा से ज्यादा बुकिंग आने लगी हैं, जिससे आसपास के इलाकों के होटल और वाहन चालक भी लाभ कमा रहे हैं। शुरुआती दौर में ही इतने पर्यटक पहुंचना यह संकेत है कि अमानगढ़ टाइगर रिजर्व अब आकर्षण का केंद्र बन रहा है। आने वाले दिनों में यहां इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाएं और बेहतर की जा रही हैं ताकि आगंतुकों को सहज अनुभव मिल सके।स्थानीय रोजगार को भी मिला सहारा- पर्यटन की इस गतिविधि से न केवल वन विभाग बल्कि स्थानीय लोगों को भी रोजगार मिला है। दर्जनों गाइड, जिप्सी चालक और स्थानीय भोजनालय इससे जुड़ गए हैं। बढ़ते पर्यटकों से स्थानीय बाजारों में भी रौनक लौट आई है। अधिकारियों का का मानना है कि सर्दियों के मुख्य सीजन में दिसंबर-जनवरी के बीच पर्यटकों की संख्या और बढ़ेगी, जिससे प्राकृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और विभागीय राजस्व में भी इजाफा होगा।

भारतीय किसान संघ ने बिजलीघर पर किया धरना-प्रदर्शन

मिलक। भारतीय किसान संघ से जुड़े किसानों ने सोमवार को मिलक बिजली घर पहुंचकर धरना प्रदर्शन किया। किसानों ने बिजली विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार, लापरवाही और अनुशासनहीनता के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया। इस दौरान किसानों ने विभिन मांगे रखीं।जिलाध्यक्ष वीरेश शर्मा ने अधिशासी अभियंता के प्रतिनिधि शाहाबाद के एसडीओ अलंकृत मिश्रा को ज्ञापन सौंपकर कहा कि बिजली घर पर तैनात टीजी टू एवं एसडीओ को निलंबित किया जाए। एसडीओ ने किसानों को आश्वस्त किया कि जांच कर कार्रवाई की जाएगी। जिलाध्यक्ष ने कहा कि यदि कार्रवाई नहीं हुई गया तो संघ विशाल आंदोलन करने को बाध्य होगा।धरना प्रदर्शन में जिलेभर से आए किसान पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे और किसानों की एकजुटता का सशक्त संदेश दिया। इस दौरान प्रदर्शन में जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र गंगवार, मथुरा प्रसाद,अरविंद कुमार,आशीष चंद आदि उपस्थित रहे ।

लखनऊ नगर निगम से बनाया था फर्जी जन्म प्रमाणपत्र

रामपुर। आजम खां 2017 में नगर विकास मंत्री थे। उन्होंने अपने रसूख के दम पर लखनऊ नगर निगम से फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनवाया था। उसी पत्र के आधार पर फर्जी पैन कार्ड बनवाकर बेटे अब्दुल्ला को चुनाव लड़ाया था। रामपुर कोर्ट का यह फैसला आजम खान के खिलाफ दर्ज 104 मुकदमों में से एक है। अब तक अदालत 11 मामलों में फैसला सुना चुकी है। इनमें से छह मामलों में आजम खां को सजा हो चुकी है। वहीं, पांच मामलों में उन्हें बरी किया गया है। यह सातवां केस था जिसमें उन्हें सजा सुनाई गई है।पांच साल की सजा होती तो छूट सकते थे आजम- आजम खां को अगर पांच साल की सजा होती तो कोर्ट उन्हें जमानत पर छोड़ सकता था। वो पांच साल की सजा पूरी कर चुके हैं। लेकिन इस केस में उन्हें सात साल की सजा हुई है। इस कारण उन्हें जेल जाना पड़ा।

55 दिन खुली हवा में सांस..अब फिर सलाखों के पीछे भेजे गए आजम खां, रामपुर की जेल में बैरक नंबर एक नया ठिकाना

दो पैन कार्ड मामले में रामपुर की एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को सात-सात साल की कैद व 50-50 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। आदेश के बाद आजम खां और अब्दुल्ला आजम को जेल भेज दिया गया है। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां 55 दिन खुली हवा में सांस लेने के बाद फिर जेल भेजे गए। 55 दिन खुली हवा में सांस लेने के बाद सपा नेता आजम खां विधायक अब्दुल्ला आजम इसी साल 25 फरवरी सितंबर को सीतापुर जेल से छूटे थे लेकिन दो सुनाए जाने के बाद दोनों को फिर जेल भेज विधानसभा सीट से दस बार विधायक रहे चुके भी रहे हैं। इसके अलावा को 2019 में रामपुर जीते थे और एक बार वह राज्यसभा के सदस्य भी विधायक और राज्यसभा सदस्य रही हैं।उनके बन गए लेकिन उम्र के विवाद में हाईकोर्ट ने 2022 में फिर से स्वार सीट से विधायक बने आजम की जन्म तिथि 01 जनवरी 1993 है। विधानसभा चुनाव के दौरान न्यूनतम आयु की में उन्होंने अपनी जन्म तिथि 30 सितंबर 1990 की विधायकी को निरस्त किया वर्ष 2017 में जीता था तो उनके मुकाबले बसपा के प्रत्याशी मियां ने उनके निर्वाचन को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट

को रामपुर जेल भेज दिया गया। पूर्व को हरदोई जेल तो आजम खां 23 पैनकार्ड मामले में अदालत से सजा दिया गया। सपा नेता आजम खां रामपुर हैं। वह प्रदेश में चार बार कैबिनेट मंत्री संसदीय सीट से लोकसभा का चुनाव भी रहे हैं। उनकी पत्नी डॉ. तजीन फात्मा पुत्र अब्दुल्ला वर्ष 2017 में विधायक तो उनकी विधायकी निरस्त कर दी। अब्दुल्ला थे।दरअसल शैक्षिक प्रमाणपत्रों में अब्दुल्ला इसके हिसाब से वह 2017 के सीमा को पूरा नहीं करते थे। ऐसी स्थिति बताकर चुनाव लड़ा।हाईकोर्ट ने अब्दुल्ला जब अब्दुल्ला ने सपा के टिकट पर चुनाव रहे नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद में चुनावी याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने उनकी चुनाव याचिका पर अपना फैसला देते हुए अब्दुल्ला की विधायकी को निरस्त कर दिया था।अब्दुल्ला इस मामले को सुप्रीम कोर्ट तक ले गए लेकिन सुप्रीम कोर्ट से भी उनको झटका लगा था। सत्ता परिवर्तन के बाद भाजपा नेता और वर्तमान में शहर विधायक आकाश सक्सेना ने जहां दो जन्म प्रमाणपत्र का मामला दर्ज कराया वहीं दूसरी ओर सिविल लाइंस थाने में 2019 में ही दो पैन कार्ड होने का भी मामला दर्ज कराया था।रामपुर की जेल में बैरक नंबर एक अब आजम का नया ठिकाना दोषी ठहराए जाने के बाद आजम और अब्दुल्ला आजम को कड़ी सुरक्षा के बीच रामपुर जेल ले जाया गया।जेलर सुनील सिंह ने बताया कि आजम और उनके बेटे अब्दुल्ला को बैरक नंबर एक में रखा गया है। कहा कि लंबी सजा पाए कैदी को यहीं रखा जाता है। ये बैरक सीसीटीवी से लैस है।यह था मामला- शहर विधायक आकाश सक्सेना की ओर से 16 दिसंबर 2019 को सिविल लाइंस कोतवाली में अब्दुल्ला आजम और उनके पिता आजम खां के खिलाफ केस दर्ज कराया गया था। उनका कहना था कि आयकर विभाग की ओर से अब्दुल्ला को जारी पैन कार्ड संख्या -डीएफओपीके 6164 के है, जिसमें अब्दुल्ला की जन्म तिथि एक जनवरी 1993 है। यह शैक्षिक प्रमाणपत्र हाईस्कूल के आधार पर सही है। इसी पैनकार्ड के सहारे अब्दुल्ला आजम खां का भारतीय स्टेट बैंक के खाता चल रहा है।दर्ज एफआईआर में कहा गया था कि अब्दुल्ला आजम खां ने सभी आयकर रिटर्न नामांकन से पूर्व इसी पैन कार्ड एकाउंट द्वारा भरे। उनका कहना था कि अब्दुल्ला आजम ने स्वार विधानसभा से सपा के टिकट पर चुनाव लड़ने के लिए 24 जनवरी 17 को जिला निर्वाचन अधिकारी रामपुर के समक्ष नामांकन पत्र प्रस्तुत किया था। उक्त नामांकन पत्र में अब्दुल्ला आजम खां ने अपने बैंक खाते की पास बुक में कूटरचना कर अपनी कलम से पैन कार्ड नंबर बदलकर नामांकन दाखिल किया। जबकि नामांकन की तिथि व समय पर वह पैनकार्ड एक्टीवेट नहीं था। अब्दुल्ला ने अपने पिता आजम खां के साथ सुनियोजित षड्यंत्र रचकर चुनाव में नामांकन में आयु संबंधी अयोग्यता छिपाने के लिए फर्जी पैन कार्ड बनवाया और अवैध लाभ प्राप्त करने के लिए प्रयोग में लाया गया।जन्म प्रमाणपत्र के मामले में आजम परिवार को हो चुकी सात साल की कैद- दो पैन कार्ड से पहले सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाणपत्र के मामले में एमपी एमएलए कोर्ट 18 अक्तूबर 2023 को अब्दुल्ला आजम के साथ ही उनके पिता आजम खां व मां डॉ. तजीन फात्मा को सात-सात साल की कैद व 50-50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई जा चुकी है। इस मामले में फिलहाल हाईकोर्ट से उनको जमानत मिल चुकी है।

संक्षिप्त समाचार

बरात में आ धमकी प्रेमिका तो उड़ा दूल्हे के सेहरे का रंग...हंगामे के बाद जाना पड़ा हवालात

थाना सैदनगली क्षेत्र के कस्बा ढक्का में शादी के माहौल में खलल पड़ गया। प्रेमिका ने हंगामा करने के बाद दूल्हा बने अपने प्रेमी को जेल पहुंचा दिया।दरअसल सोमवार की शाम हापुड़ जनपद के थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के गांव मूदाफरा से अफसार पुत्र असरार की बरात ढक्का पहुंची । दूल्हे का स्वागत हो रहा था, तभी उसकी प्रेमिका मौके पर पहुंच गई। प्रेमिका ने आते ही हंगामा शुरू कर दिया। फिर 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी और दावा किया कि दूल्हे के साथ उसका पिछले छह साल से प्रेम संबंध है। बरातप्रेमिका कई घंटे मौके पर ड्रामा करती रही। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सैद नंगली थाने से पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस दूल्हे अफसार और उसकी प्रेमिका को थाने ले गई ई। थाने में दोनों पक्षों के बीच कई घंटों तक पंचायत चली। थाना प्रभारी विकास शहरावत ने बताया कि मामला संज्ञान में है। दोनों पक्षों को थाने लाया गया है। जांच के आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बीज जलाने के मामले में उद्यान निरीक्षक निलंबित, दो मालियों का अग्रिम आदेशों तक रोका वेतन

किसानों को मुफ्त दिए जाने वाले बीज को जलाने के मामले में

शासन ने उद्यान निरीक्षक बृजमणि गहलौत को निलंबित कर दिया है। जबकि सहायक निरीक्षक उद्यान पूजा का जवाब तलब किया गया है। उद्यान विभाग के दो मालियों रामचंद्र और वीर सिंह का अग्रिम आदेशों तक वेतन रोक दिया गया है। किला स्थित उद्यान विभाग से किसानों को बुवाई के लिए भिंडी, पालक, धनिया, मटर, मूली, प्याज और आलू का बीज दिया जाता है। उद्यान अधीक्षक अजय कुमार ने बताया कि 14 नवंबर को उद्यान निरीक्षक और दो मालियों ने मिलकर प्याज का बीज जला दिया। प्याज का बीज जलाए जाने की सूचना मिलने पर विभाग में खलबली मच गई। उद्यान अधीक्षक ने शनिवार को इस मामले की रिपोर्ट लखनऊ भेजी गई। बीच में रविवार आ जाने के कारण कोई कार्रवाई नहीं हो सकीउद्यान अधीक्षक ने बताया कि सोमवार को उद्यान निरीक्षक को निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मामलों की जांच की जा रही है यह देखना होगा कि कितना बीज जलाया गया है और बीज जलाने का क्या कारण है। किसानों को दिए जाने वाला बीज जलाए जाने से शासन में भी हड़कंप है। दूसरी ओर, उद्यान निरीक्षक बृजमणि गहलोत ने बताया कि वह 14 नवंबर को कोर्ट गए हुए थे और उन्होंने बीज नहीं जलाया है। उन्हें बेवजह इस मामले में फंसाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उच्च स्तरीय जांच में दोषियों के चेहरे सामने आ जाएंगे। मामले में खुफिया विभाग कर रहा जांच-किला स्थित उद्यान विभाग में बीज जलाए जाने की रिपोर्ट इंटेलिजेंस लखनऊ ने भी मांगी है। सोमवार को खुफिया विभाग के सोनू कुमार और अनुज कुमार इस मामले की जांच पड़ताल करने के लिए उद्यान विभाग पहुंचे। अधिकारियों ने उद्यान अधीक्षक अजय कुमार से जरूरी पूछताछ की। पूछने पर खुफिया विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में इंटेलिजेंस लखनऊ से पूरे मामले की रिपोर्ट मांगी है इसलिए तमाम जानकारी एकत्र की जा रही है। इसके बाद रिपोर्ट लखनऊ भेज दी जाएगी। जांच के बाद पता चलेगा कि बीज की कीमत कितनी थी। उद्यान अधीक्षक अजय कुमार ने बताया कि किसानों को दिए जाने वाला प्याज का बीज जलाया गया है। बीज क्यों और कितना जलाया गया है इस मामले में जांच कराई जा रही है। सोमवार को उद्यान निरीक्षक को निलंबित कर दिया गया है

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

दामाद ने सास को छत से फेंककर मार डाला, बेटी से झगड़ा होने पर आई थी सुलह कराने, पति-बेटे के सामने ही वारदात

बागपत निवासी रूबीना की शादी शामली के नवाब के साथ हुई थी। दोनों के बीच छोटी सी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। मायके वाले सुलह कराने आए थे। तभी दामाद और अन्य लोगों ने रूबीना की मां रुखसाना को छत से फेंक दिया।बेटी और दामाद के बीच सुलह कराने आए मायके वालों के साथ शामली में मारपीट की गई। दामाद ने अपने परिजनों के साथ मिलकर सास को छत से फेंककर मार डाला। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है। बागपत के असारा निवासी 52 वर्षीय रुखसाना अपनी बेटी के ससुराल लिलौन गांव में सुलह कराने गई थीं, लेकिन मंगलवार सुबह छत से गिरने के बाद उनकी मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया है कि बेटी और दामाद के बीच झगड़ा खत्म कराने पहुंची रुखसाना को ससुराल पक्ष ने पीटकर छत से फेंक दिया। सूचना पर पुलिस और एएसपी मौके पर पहुंचे तथा दो लोगों को हिरासत में लिया गया है।बागपत के असारा गांव निवासी रूबी उर्फ रूबीना की शादी करीब 13 साल पहले शामली के लिलौन गांव निवासी नवाब के साथ हुई थी। दोनों के चार बच्चे हैं। कुछ दिनों से रूबी और नवाब के बीच विवाद चल रहा था। सोमवार रात भी छत पर कपड़े सुखाने को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। पति छत पर कपड़े सुखाने को मना कर रहा था। सोमवार रात रूबी ने फोन कर यह बात अपने मायके वालों को बताई। मंगलवार सुबह करीब छह बजे उसके पिता वकीलू, मां रुखसाना, भाई और अन्य परिजन ससुराल पहुंचे। वकीलू का आरोप है कि घर पहुंचते ही ससुराल पक्ष ने हमला बोल दिया। पत्नी रुखसाना को पीटने के बाद छत से नीचे फेंक दिया। उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर मेरठ रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही रुखसाना की मौत हो गई। मृतका के परिजन शव लेकर कोतवाली पहुंचे और दामाद, ससुर, देवर समेत चार लोगों के खिलाफ तहरीर दी। एएसपी ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। रुखसाना को मौत खींच लाई लिलौन वकीलू ने बताया कि उन्होंने पत्नी रुखसाना को लिलौन न चलने की सलाह दी थी, लेकिन वह बार-बार जाने पर अड़ी रहीं। मजबूरन वह उसे साथ ले आए। शायद वह नहीं पहुंचती तो जान बच सकती थी। परिजनों ने कहा कि रुखसाना की मौत ने पूरे परिवार को तोड़कर रख दिया है। मोहल्ले के लोग पीड़ित परिवार को सांत्वना दे रहे हैं।

महा लक्ष्मी स्टील पर जीएसटी का छापा, 50 लाख की बोगस आईटीसी पकड़ी

छापे के दौरान, टीम ने ऐसे माल की भी पहचान की जिसके संबंध में कोई वैध दस्तावेज़ प्रस्तुत नहीं किए जा सके। बिना दस्तावेज के 15 लाख रुपये मूल्य का माल मौके पर सीज कर लिया गया है। जांच दल ने फर्म के परिसर से भारी मात्रा में कच्चे बिल और खरीद-बिक्री से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज़ बरामद किए हैं, जिन्हें सीज कर लिया गया है।राज्य वस्तु एवं सेवा कर विभाग (जीएसटी) की विशेष अनुसंधान शाखा (एसआईबी) ने 17 नवंबर को अलीगढ़ के गूलर रोड स्थित एलएमएल कंपाउंड स्थित महा लक्ष्मी स्टील पर बड़ी कार्रवाई की। टीम ने 50 लाख की बोगस आईटीसी के लेने का खुलासा किया है। साथ ही 15 लाख रुपये का माल भी सीज कर दिया है। कार्रवाई सुबह 11 बजे शुरू हुई और शाम 4 बजे तक चली। फर्म द्वारा बड़े पैमाने पर करापवंचन करने की पुष्टि हुई है।जांच टीम में शामिल एसआईबी के असिस्टेंट कमिश्नर शिवकुमार सिंह ने बताया कि प्राथमिक जांच में महा लक्ष्मी स्टील द्वारा लगभग 50 लाख रुपये का बोगस इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) क्लेम किए जाने का खुलासा हुआ है। फर्म बिना किसी वास्तविक खरीद के फ़र्ज़ी बिलों के आधार पर सरकारी खजाने को चूना लगाने का प्रयास कर रही थी। छापे के दौरान, टीम ने ऐसे माल की भी पहचान की जिसके संबंध में कोई वैध दस्तावेज़ प्रस्तुत नहीं किए जा सके। असिस्टेंट कमिश्नर सिंह के अनुसार, बिना दस्तावेज के 15 लाख रुपये मूल्य का माल मौके पर सीज कर लिया गया है। जांच दल ने फर्म के परिसर से भारी मात्रा में कच्चे बिल और खरीद-बिक्री से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज़ बरामद किए हैं, जिन्हें सीज कर लिया गया है। ये दस्तावेज़ कर चोरी के संबंध में आगे की कार्रवाई का आधार बनेंगे। महा लक्ष्मी स्टील से जुड़ी अन्य इकाइयों की भी जांच की जाएगी। इनमें वे सभी फर्म शामिल होंगी जिन्होंने महालक्ष्मी स्टील से माल की खरीद-बिक्री दिखाई है। यह कार्रवाई टैक्स चोरी के पूरे नेटवर्क को तोड़ने के लिए की जाएगी।-शिव कुमार सिंह, सहायक आयुक्त, विशेष अनुसंधान शाखा यूपी, पंजाब समेत कई राज्यों में कारोबार- महा लक्ष्मी स्टील मुख्य रूप से आयरन स्क्रैप की सप्लाई का कारोबार करती है और इसका व्यापार उत्तर प्रदेश और पंजाब सहित कई अन्य राज्यों तक फैला हुआ है। एसआईबी अब इन अंतरराज्यीय सप्लाई चेन की गहराई से जांच कर रही है। महालक्ष्मी स्टील फर्म को नोटिस जारी कर दिया गया है। विभाग के मुताबिक फर्म द्वारा जवाब दाखिल किए जाने के बाद टैक्स चोरी की राशि की वसूली की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

अच्छी पहल: काशी में गंगा किनारे बनेगा देश का पहला शिप रिपेयरिंग सेंटर, यूपी सरकार से हुआ एमओयू

वाराणसी में गंगा किनारे देश का पहला शिप रिपेयरिंग सेंटर बनेगा। इसके लिए यूपी सरकार से एमओयू हो गया है। इस सेंटर में एडवांस ऑटोमेटेड कंट्रोलिंग मशीनों के साथ मशीन लगेंगी। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर बीते शुक्रवार को हस्ताक्षर हुआ। इसके तहत वाराणसी में अत्याधुनिक शिप रिपेयर फैसिलिटी विकसित की जाएगी। जहां क्रूज के साथ कार्गो व अन्य जहाजों की मरम्मत की जाएगी। यह पहल न केवल पूर्वी भारत के जल परिवहन नेटवर्क को मजबूती देगी, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार के क्षेत्र में भी बड़ा बदलाव लाएगी।आईडब्ल्यूएआई के अधिकारियों के अनुसार इस आधुनिक सुविधा के शुरू होने से नदी मार्ग पर चलने वाले जहाजों की मरम्मत आसानी से की जा सकेगी। इससे जहाजों का रुकने का समय कम होगा और परिचालन क्षमता बढ़ेगी। अभी तक शिप रिपेयरिंग सेंटर समुद्र तट पर बनाए जाते थे, लेकिन पहली बार देश में नदी किनारे यह केंद्र बनाया जा रहा है। यहां पर ऑटोमेटेड कंट्रोलिंग मशीनों के जरिये क्रूज, कार्गो और अन्य जहाजों की मरम्मत होगी। इस केंद्र के बन जाने से बनारस ही नहीं बल्कि पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों को भी लाभ मिलेगा। आईडब्ल्यूएआई वाराणसी के निदेशक संजीव कुमार ने बताया कि रामनगर में बन रहे इस केंद्र के निर्माण के लिए उत्तर प्रदेश सरकार और आईडब्ल्यूएआई के बीच एमओयू हो गया है। अब इसके निर्माण में तेजी आएगी। इस केंद्र के निर्माण से स्थानीय अर्थव्यवस्था को तो लाभ मिलेगा ही स्थानीय रोजगार भी बढ़ेगा।

11 साल की बच्ची अगवा: जंगल में ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म, मुंह पर चिपकाया था टेप, बेहोशी की हालत में मिली

मुरादाबाद के भोगपुर में 11 वर्ष की बच्ची को अगवा कर लिया गया। इसके बाद जंगल में ले जाकर उसके साथ दो युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। पुलिस ने मां की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया है। भोजपुर थाना क्षेत्र में रविवार की देर रात करीब डेढ़ बजे घर में सो रही 11 साल की बच्ची को दो आरोपी तमंचे के बल पर अगवा कर ले गए। चारपाई से बच्ची गायब देखी परिजन उसकी तलाश में जुट गए। सोमवार की सुबह बच्ची जंगल में बेहोशी की हालत में पड़ी मिली।उसके हाथ-पैर भी बंधे थे। होश में आने पर पीड़िता ने आपबीती सुनाई। पीड़िता ने बताया कि आरोपी रवि और शुभम उसे पशुशाला में ले गए और सामूहिक दुष्कर्म किया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है।भगतपुर थाना क्षेत्र के गांव में रहने वाली महिला ने भोजपुर थाने में दर्ज कराई प्राथमिकी में बताया कि उसके पति की मौत हो चुकी है। वह अपनी 11 वर्षीय बेटी और बेटों के साथ भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव में किराये के मकान में रहती है। महिला का कहना है कि रविवार की रात उसके बेटे और बेटी खाना खाने के बाद सो गए थे। रात करीब डेढ़ बजे बड़ा बेटा जागा तो उसने देखा कि उसकी बहन चारपाई से गायब है। परिजन उसकी तलाश में जुट गए कि रास्ते में उन्होंने देखा कि रवि और शुभम बच्ची को बाइक पर बीच में बैठाकर ले जा रहे थे। आरोपी रवि ने उसकी गर्दन पर चाकू लगा रखा था। बच्ची के भाइयों ने आरोपियों को रोकने की कोशिश की तो आरोपी उनकी बाइक में लात मारकर बाइक गिरा दी और भाग गए। परिजनों ने पुलिस को सूचना देने के साथ उसकी तलाश जारी रखी। सोमवार सुबह बच्ची जंगल में रास्ते में पड़ी मिली। उसके हाथ-पैर बंधे थे। इसके बाद परिजन बच्ची को घर ले गए। होश में आने पर बच्ची ने बताया कि आरोपी रवि और शुभम उसे मुंह पर रुमाल लगाकर ले गए थे। इसके बाद आरोपी उसे पशुशाला में ले गए जहां आरोपियों ने उसके साथ दुष्कर्म किया है। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। आरोपियों ने मुंह पर लगा दिया था टेप पीड़ित बच्ची ने परिजनों और पुलिस को बताया कि आरोपियों ने उसकी गर्दन पर चाकू लगा दिया था। इसके बाद उसके मुंह पर टेप लगा दिया था। आरोपियों ने उसे जबरन दवा पिला दी थी। इसके बाद वह बेहोश हो गई थी। होश में आई तो खुद को पशुशाला में पाया जहां रवि और शुभम ने उसके साथ दुष्कर्म किया है। विरोध करने पर आरोपी जान से मारने की धमकी दे रहे थे। वह जंगल कैसे पहुंची मालूम नहीं।

श्री हरि मंदिर में जय हनुमान जय श्री राम जयकारों से गूंजा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्री हरि मंदिर मॉडल टाऊन बरेली में मंगलवार को भक्तों की अपार भीड़ उमड़ी और पूरा मंदिर जय श्री राम जय हनुमान के जयकारों से गूंज उठा। सुबह के सत्र में मंदिर के पंडित सुनील शास्त्री के द्वारा श्री हनुमान जी का विधिवत पूजन व श्रृंगार किया गया। भक्तजनों द्वारा प्रत्येक मंगलवार को अपनी अपनी मनोकामना पूर्ति हेतु यहां पधारते है और श्री हनुमान जी की पूजा करते है । शाम के सत्र में श्री हरि संकीर्तन श्री हरि संकीर्तन मंडल द्वारा भजनों की रसधारा बहाई गई जिस मे रवि छाबड़ा ने आना पवन कुमार हमारे कीर्तन में............ ,संजय आनन्द ने लहर लहर लहराए रे झंडाबजरंगबली.............., सचिन सेठी ने वीर हनुमाना अति बलवाना..............पंकज ने आ लौट के आजा हनुमान..........और भाई सौरभ ने जय जय जय हनुमान गोसाई ....,जतिन दुआ ने बजरंगबली मेरी नाव चली....... आदि आदि भजनों से सारा श्री हरि मंदिर प्रांगण भक्तिमय हो गया। उसके बाद सभी उपस्थित भक्तजनों द्वारा सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का पाठ हुआ और श्री हनुमान जी की सामूहिक आरती हुई, व शयन आरती के पाश्चात्य सभी भक्तजनों में भंडारा प्रसादी का वितरण हुआ। मंदिर सचिव रवि छाबड़ा ने बताया कि सामूहिक श्री हनुमान चालीसा व आरती विगत कई वर्षों से श्री हरि मंदिर प्रांगण में हो रही है,जिस में सभी आयु वर्ग के लोग सम्मिलित होते है, विशेष कर युवाओं का जागरूक होना विशेष है। सभी युवाओं से मंदिर समिति की तरफ से आहवान किया गया कि प्रत्येक मंगलवार अधिक से अधिक संख्या में मंदिरों में अवश्य आए।आज के कार्यक्रम में मंदिर अध्यक्ष सुशील अरोरा,सचिव रवि छाबड़ा,अश्वनी ओबेरॉय,संजय आनन्द,गोविंद तनेजा,रंजन कुमार,हरीश लुनियाल, अतुल कपूर,राजेश अरोरा,गिरीश आनन्द,संजीव अरोड़ा वा अन्य सदस्य उपस्थित रहे। महिला मंडल अध्यक्ष रेनू छाबड़ा भी अपनी टीम के साथ शामिल रही। युवा मंडल के सदस्यों ने प्रसाद वितरण की सेवा की। समापन पर मंदिर सचिव रवि छाबड़ा ने सभी भक्तजनों का आभार व्यक्त किया और सभी भक्तजनों को भंडारा प्रसाद वितरण किया गया। रवि छाबड़ा ने युवा वर्ग से अपील की है कि सभी युवाजन प्रत्येक मंगलवार को अपने नजदीकी मंदिर में जाकर श्री हनुमान चालीसा पाठ में जरूर पधारे ।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

दालमंडी चौड़ीकरण: भवनों के ध्वस्तीकरण के लिए पहुंची टीम, महिलाओं ने जमकर किया विरोध; हाथ जोड़कर मांगा समय

वाराणसी में दालमंडी चौड़ीकरण को लेकर भवन तोड़ने की कार्रवाई की जा रही है। मंगलवार को दुकानों को तोड़ने पहुंची टीम को दुकानदारों ने जमकर विरोध किया।दालमंडी चौड़ीकरण को लेकर वीडीए द्वारा चिह्नित भवनों को ध्वस्त करने की कार्रवाई जारी है। मंगलवार को दो भवनों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के लिए टीम पहुंची तो दुकानदारों ने विरोध शुरू कर दिया। इस दौरान महिलाओं ने जमकर विरोध जताया। डी 43/181 नदीम अनवर के कटरे में 14 दुकानें हैं। वहीं दूसरा 50/221 भवन स्वामी उस्मान और उसके घर की महिलाओं ने जमकर विरोध किया। उसके बाद सभी दुकान बंद कर दी गईं। मौके पर एडीएम आलोक वर्मा, केके सिंह एक्सईएन, एसीपी दशाश्वमेध और कोतवाली के साथ महिला पुलिसकर्मी और फोर्स मौजूद रही।महिलाओं के विरोध प्रदर्शन के बाद कार्रवाई करने पहुंची टीम को लौटना पड़ा। इस दौरान एक महिला ने हाथ जोड़कर प्रशासन से मोहलत मांगती दिखी।

आईआईटी बीएचयू की छात्रा ने सूजन के इलाज के लिए बनाई नैनो मेडिसिन, मिला जीवाईटीआई प्रशंसा पुरस्कार

आईआईटी बीएचयू की छात्रा ने सूजन के इलाज के लिए नैनो मेडिसिन बनाई। इसके लिए छात्रा को जीवाईटीआई प्रशंसा पुरस्कार मिला। आईआईटी बीएचयू के शोधकर्ताओं ने सूजन के इलाज के लिए पॉलिमरिक नैनो मेडिसिन बनाई है। इसके लिए संस्थान की शोधार्थी दिव्या पारीक को गांधियन यंग टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन (जीवाईटीआई) प्रशंसा पुरस्कार से नवाजा गया है। दिव्या के सुपरवाइजर प्रो. प्रदीप पाईक ने बताया कि कम मात्रा में दी गई नैनो मेडिसिन तेजी से स्वास्थ्य लाभ पहुंचाती है। ये इम्युनिटी के प्रति संवेदनशील होती है। सूजन से जुड़े कई रोगों से बचाव करती है।यह रूमेटाइड अर्थराइटिस और सिस्टमिक इंफ्लेमेशन जैसी ज्यादा सूजन वाली स्थितियों में भी एक प्रभावी वैकल्पिक उपचार साबित हो सकती है। हृदय संबंधी जटिलताओं, कैंसर, मधुमेह, गुर्दे के रोग, फैटी लिवर, ऑटोइम्यून और न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारियों में भी सुरक्षा देती है। ये रिसर्च स्कूल ऑफ बायोमेडिकल इंजीनियरिंग स्थित ट्रांसलेशनल नैनोमेडिसिन फॉर थेरेप्यूटिक अप्लीकेशन लेबोरेटरी में किया गया है।अंग हो सकते हैं फेल सूजन विश्वभर में सभी आयु वर्ग के लोगों को प्रभावित करती हैं। दीर्घकालिक सूजन (क्रॉनिक इंफ्लेमेशन) रूमेटाइड आर्थराइटिस, इंफ्लेमेट्री बाउल डिजीज, सोरायसिस जैसी गंभीर स्थितियों की प्रमुख वजह है। यदि इनका इलाज न किया जाए तो यह ऊतकों को नुकसान, अंगों की कार्यक्षमता में कमी और कई बार अंग विफलता जैसी स्थितियां पैदा कर सकती है। हृदय रोग, कई प्रकार के कैंसर, मधुमेह, गुर्दा रोग, नॉन-अल्कोहॉलिक फैटी लिवर डिजीज, ऑटोइम्यून बीमारियों और न्यूरोडीजेनेरेटिव विकार भी इससे बढ़ते हैं। सूजन के कारणों की सटीक पहचान मुश्किल से होती है। ये बाहरी कारकों (जैविक या रासायनिक) या आंतरिक कारणों (जैसे आनुवंशिक परिवर्तन) से उत्पन्न हो सकता है। ऐसे रोगियों में अक्सर सूजन संबंधी बायोमार्कर्स का स्तर ज्यादा ही पाया जाता है। निदेशक प्रो. अमित पात्रा ने कहा कि यह उपलब्धि संस्थान के समाज के लिए उपयोगी ट्रांसलेशनल रिसर्च को बढ़ावा देगी। सूजन संबंधी व्यापक रोगों के उपचार की क्षमता वाली पॉलिमरिक नैनोमेडिसिन का विकास देश और विश्व के प्रमुख स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक कदम है।

श्रावस्ती में एक साथ मिट्टी होंगी 5 चिताएं:दंपति और तीन बच्चों का होगा अंतिम संस्कार, गांव में शोक की लहर

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती के लियाकतपुरवा गांव में एक दंपति और उनके तीन बच्चों के शव मिले हैं। इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। पांचों शवों का अंतिम संस्कार आज एक साथ किया जाएगा। घटना का खुलासा हुआ, जब लियाकत पुरवा निवासी रोज अली (पुत्र शमशुल) के कमरे का दरवाजा देर

तक नहीं खुला। परिजनों ने आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। शक होने पर खिड़की से देखने पर रोज अली का शव छत के पंखे से लटका मिला। ग्रामीणों ने अनहोनी की आशंका में दरवाजा तोड़ा। कमरे के अंदर रोज अली का शव फंदे से लटका था। वहीं, एक चारपाई पर उनकी पत्नी शहनाज (30), बेटियां तबस्सुम (6), गुलनाज (4) और 18 माह का बेटा मोईन मृत पाए गए। घटना की सूचना मिलते ही सैकड़ों ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। पूरे गांव में गमगीन माहौल है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। इससे हत्या के बाद आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस का मानना है कि रोज अली ने किसी विवाद या तनाव के चलते पहले पत्नी और बच्चों की गला घोंटकर हत्या की होगी, और फिर खुद फांसी लगा ली। घटनास्थल से किसी बाहरी व्यक्ति की मौजूदगी का कोई सबूत नहीं मिला है। जांच अधिकारियों के अनुसार, प्रथम दृष्टया पत्नी और बच्चों की मौत दम घुटने से होने की संभावना है। हालांकि, मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। पुलिस फिलहाल मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। इस दुखद घटना से परिजन और ग्रामीण गहरे सदमे में हैं। पांचों शवों का अंतिम संस्कार आज गांव में ही एक साथ किया जाएगा।

करेरा में ओलंपियाड परीक्षा का डीपीसी ने किया निरीक्षण

सिरसौद व करेरा केंद्रों पर छात्रों की रही उत्साहपूर्ण उपस्थिति

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे) शिवपुरी, ब्यूरो। ओलंपियाड परीक्षा वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जिला परियोजना अधिकारी (DPC) दफेदार सिंह सिकरवार ने आज करेरा विकासखंड के दो परीक्षा केंद्रों-हायर सेकेंडरी स्कूल सिरसौद एवं उत्कृष्ट विद्यालय करेरा-का निरीक्षण किया। सिरसौद हायर सेकेंडरी

स्कूल में कुल 644 पंजीकृत विद्यार्थियों में से 537 छात्र परीक्षा में शामिल हुए, जबकि उत्कृष्ट विद्यालय करेरा में 591 पंजीकृत विद्यार्थियों में से 477 छात्रों ने परीक्षा दी। दोनों केंद्रों पर विद्यार्थियों की उपस्थिति और परीक्षा व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। निरीक्षण के दौरान डीपीसी सिकरवार ने विद्यार्थियों से ओएमआर शीट भरने की प्रक्रिया व ओलंपियाड परीक्षा के महत्व पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा बच्चों की प्रतिभाओं को तराशने के उद्देश्य से ऐसे प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान एपीसी हरीश शर्मा, बीआरसी करेरा विनोद तिवारी, उत्कृष्ट विद्यालय करेरा के संकुल प्राचार्य अरविंद यादव सहित बीएसी, सीएसी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस की व्यापक जनजागरूकता पहल: महिलाओं में सुरक्षा और आत्मविश्वास को नई दिशा

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित मिशन शक्ति अभियान-5.0 के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन सुनिश्चित करने हेतु पुलिस अधीक्षक

राहुल भाटी के निर्देशन में श्रावस्ती पुलिस द्वारा जनपदभर में विशेष जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत जनपद के सभी 09 थानों: कोतवाली भिनगा, सिरसिया, मल्हीपुर, हरदत्तनगर गिरंट, सोनवा, गिलौला, इकौना, नवीन मॉडर्न, महिला थाना तथा शक्ति मोबाइल टीमो द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, बाजारों और ग्राम पंचायतों में महिलाओं, बालिकाओं व छात्राओं से संवाद स्थापित कर उन्हें विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की जा रही हैं।

62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा की सीमा चौकी सुईया के जवानों ने किया नशा मुक्त जागरूकता कार्यक्रम

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमांडेंट 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल भिनगा के दिशा-निर्देशन एवं सहायक उप निरीक्षक रोहतास के नेतृत्व में सीमा चौकी सुईया द्वारा कार्यक्षेत्र तालभगौड़ा बाज़ार में नशा मुक्त भारत अभियान के

तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान समवाय के जवानों ने ग्रामीणों को नशे से होने वाले दुष्प्रभाव, पारिवारिक एवं सामाजिक नुकसान, तथा इससे बचाव के उपायों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ व सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। एसएसबी द्वारा यह भी संदेश दिया गया कि नशा न केवल स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि समाज और परिवार की आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति में बड़ी बाधा बनता है। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों ने एसएसबी के इस प्रयास की सराहना की और नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग देने का संकल्प लिया। 62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा द्वारा ऐसे जन-जागरूकता कार्यक्रम आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

20 ली. अवैध कच्ची शराब के साथ दो गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती। जनपद के थाना मल्हीपुर पुलिस द्वारा चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति/वस्तु व रोकथाम अपराध के दौरान मुखबिर की सूचना पर जगपतिनाथ मन्दिर के पास रिक्खीराम पुत्र कृपाराम नि. मोहनपुर मौजा भरथा थाना मल्हीपुर से 10 ली. अवैध कच्ची शराब व रामनरेश पुत्र विपतराम नि. लक्ष्मनपुर कोठी (नर्शरी) थाना मल्हीपुर बरामद के पास से 10 ली0 अवैध कच्ची शराब बरामद कर थाना स्थानीय पर आबकारी अधिनियम पंजीकृत विधिक कार्यवाही की गई।

प्रेमिका की नग्न लाश... प्रेमी दरोगा ने 35 मिनट में कत्ल कर किया था ये काम; पुलिस की कहानी पर कई बड़े सवाल

यूपी के हमीरपुर में निर्वस्त्र मिली महिला की हत्या में पुलिस की कहानी पर कई सवाल खड़े हो गए हैं। 35 मिनट की अवधि में हत्या, घसीटना, कपड़े उतरना, लोहे की रॉड फिर पत्थर से प्रहार, मोबाइल तोड़ना और साक्ष्य मिटाने जैसी पूरी श्रृंखला हुई।यूपी के हमीरपुर जिले के मौदहा-राठ मार्ग पर निर्वस्त्र मिली महिला की हत्या में पुलिस ने वारदात के उन 35 मिनट को घटनाक्रम की सबसे अहम कड़ी माना है, जिनमें आरोपी सब-इंस्पेक्टर अंकित यादव ने पूरी घटना को अंजाम दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार रमना गांव के पास रात करीब 1:14 बजे कार रुकी और 1:49 बजे उसी रूट से वाहन वापस निकलता दिखा। इसी अवधि में हत्या, घसीटना, कपड़े उतरना, लोहे की रॉड फिर पत्थर से प्रहार, मोबाइल तोड़ना और साक्ष्य मिटाने जैसी पूरी श्रृंखला हुई।जांच के अनुसार, महिला कार से उतरकर झाड़ियों की ओर लघुशंका के लिए गई थी। पुलिस का कहना है कि जैसे ही वह बैठी, आरोपी ने कार की डिग्गी से लोहे की रॉड निकाली और पीछे से सिर पर वार कर दिया। झाड़ियों में खून, घसीटने के निशान और टूटे घास के कतरे- महिला गिर पड़ी और अंकित ने उसकी जीन्स का पेट पकड़कर उसे झाड़ियों में घसीटा। झाड़ियों में खून, घसीटने के निशान और टूटे घास के कतरे पुलिस के हाथ लगे हैं। घसीटते समय महिला की जीन्स पूरी तरह उतर गई और यही बात अब जांच में सवाल खड़ा कर रही है कि क्या कपड़ा घसीटने में ही पूरा उतर गया या फिर किसी और वजह से? पुलिस इसे फिलहाल घसीटने का परिणाम मानकर जांच बढ़ा रही है।झाड़ियों में ले जाकर आरोपी ने सिर पर पत्थर से भी वार किया। पुलिस को खून लगे दो पत्थर मिले हैं। इसके बाद आरोपी ने महिला का मोबाइल तोड़कर नहर के पास झाड़ियों में फेंक दिया। खून से सने हाथ उसने अपनी टी-शर्ट से पोंछे और वह भी कुछ दूरी पर फेंक दी। खून के छींटे वाहन के पहियों में भी लगे- सड़क किनारे पड़े खून के छींटे वाहन के पहियों में भी लगे पाए गए हैं। पुलिस इसे साक्ष्य मिटाने की कोशिश मान रही है,

क्योंकि आरोपी ने कार को बैक करते समय इन्हीं धब्बों पर पहिया चढ़ाकर आगे बढ़ाया था।जांच में यह भी सामने आया है कि हत्या के बाद आरोपी उसी मार्ग से महोबा लौटा और मुस्करा के पास पेट्रोल पंप पर 700 रुपये का तेल भरवाया। सुबह अंधेरे में वह अपने कमरे तक पहुंचा और दिन में कार मालिक को वाहन लेने के लिए फोन किया, लेकिन फोन न उठने पर ड्यूटी पर चला गया।पुलिस के अनुसार आरोपी ने मोबाइल 14 नवंबर तक ऑन रखा और खुद को सामान्य दिखाने की कोशिश की। 14 की शाम उसके ड्यूटी से गायब होने पर शक गहरा गया और 16 नवंबर को गिरफ्तार कर लिया गया।पुलिस सूत्र बताते हैं कि मृतका और आरोपी के बीच पिछले कई महीनों से तनाव था। मृतका ने अंकित की वीडियो कॉल पर की गई बातचीत का वीडियो रिकॉर्ड कर रखा था और संबंध न बनाने पर फंसाने की धमकी देती थी। मानसिक रूप से टूटने लगा था आरोपी- कई बार वह एक दिन में 100-150 कॉल कर देती थी। आरोपी ने उसका नंबर ब्लैकलिस्ट किया, लेकिन मृतका दूसरे नंबरों से संपर्क करती रही। इसी दबाव में आरोपी मानसिक रूप से टूटने लगा था और पूछताछ में उसने बताया कि वह घटना से पहले आत्महत्या करने की भी सोच चुका था।मृतका की जींस शरीर से पूरी तरह उतरकर अलग कैसे मिली, क्या आरोपी ने कपड़े उतारे या घसीटते वक्त उतर गए। पुलिस का कहना है कि शुरुआती साक्ष्य घसीटने की ओर संकेत करते हैं। फोरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद इस स्थिति में और स्पष्टता आएगी।मृतका के पति ने बताया कि वह चुनाव ड्यूटी के तहत बिहार में तैनात था और घटना के समय भी वहीं था। पुलिस ने उसके मोबाइल लोकेशन और कॉल रिकॉर्ड की जांच के बाद उसकी भूमिका खारिज कर दी है। पुलिस के अनुसार शादी के कुछ महीनों बाद ही पत्नी से विवाद बढ़ गया था और वह अलग रह रही थी।पुलिस का कहना है कि फोरेंसिक रिपोर्ट, मोबाइल रिकवरी, वाहन के पहियों पर मिले रक्त, टूटे मोबाइल के हिस्से और घटना स्थल की मिट्टी के नमूनों के डीएनए से केस की अंतिम कड़ियां पूरी तरह स्पष्ट हो जाएंगी।

इंस्टा पर दोस्ती, प्यार और कत्ल... फौजी ने प्रेमिका को इसलिए मारा, उसके दुपट्टे से बांधे पैर; दफना दी लाश

पटियाला में तैनात फौजी ने प्रयागराज में शादी करने के बहाने बुलाकर छात्रा की चाकू से वार कर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने छात्रा के दुपट्टे से पैर बांधे और फिर लाश को जमीन में गाड़ दिया। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। प्रयागराज के थरवई थाना क्षेत्र के लखरावां गांव में जमीन में दफन मिली छात्रा की हत्या के मामले में पुलिस ने पटियाला में तैनात आरोपी फौजी हर्षवर्धन सिंह उर्फ दीपक कुमार (26) को सोमवार को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में उसने बताया कि इंस्टाग्राम पर दोनों के बीच दोस्ती हुई थी। उसकी शादी तय होने के बाद से छात्रा अपने साथ शादी का दबाव बना रही थी। इसलिए शादी करने के बहाने बुलाकर उसकी हत्या कर दी। डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत व डीसीपी नगर मनीष शांडिल्य ने बताया कि 10 नवंबर को कैंट थाना क्षेत्र की रहने वाली 11वीं की छात्रा स्कूल जाने के बाद से लापता हो गई थी। इसके बाद 15 नवंबर थरवई के लखरावां गांव के पास जमीन में दफन शव मिला था। घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर दूरी पर बैग मिला। इसमें कॉपी-किताब के अलावा सिंदूर की डिबिया व शीशा था।एक कॉपी पर दीपक नाम लिखकर उसके आगे मोबाइल नंबर लिखा था। इंस्टाग्राम की चैटिंग से भी सुराग मिले थे। घटना के बाद कैंट थाना क्षेत्र समेत अन्य चौराहों के सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए। बालसन चौराहे पर बाइक सवार आरोपी कैमरे में दिखा, उसके पीछे स्कूल ड्रेस में छात्रा बैठी थी। बाइक नंबर और मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपी की पहचान की गई। सोमवार को मुखबिर की सूचना पर थरवई थाना क्षेत्र के गांव कुसुंगुर निवासी आरोपी दीपक को पुराना पुल मनसइता नदी के पास से दबोच लिया गया। घटना में प्रयुक्त फावड़ा, चाकू व बाइक को पुलिस ने बरामद कर लिया है। छात्रा का शव जमीन से बाहर निकालते वक्त घटनास्थल पर ही था आरोपी- आरोपी फौजी हर्षवर्धन सिंह उर्फ दीपक कुमार से पूछताछ में सामने आया कि वह छात्रा की हत्या करने के बाद कहीं भागा नहीं, बल्कि अपने घर चला गया। यहीं नहीं, जिस दिन छात्रा का शव मिला था वह घटनास्थल पर ही मौजूद था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि शादी की बात छात्रा को पता चली तो वह उसके परिवार से मिलने की जिद कर विवाह तोड़ने का दबाव बनाने लगी। इसके बाद उसे मिलने के लिए बुलाया तो बहस हुई। उसे शादी करना था, इसलिए अपने साथ बैग में सिंदूर लाई थी। काफी मनाने के बावजूद वह मान नहीं रही थी। इसके बाद उसे बाइक से घटनास्थल पर ले गया। हत्या के बाद उसने फावड़े को एक नाले के पास मिट्टी में दबा दिया था और फिर घर चला गया। छुट्टी से पहले ही रच ली थी हत्या की साजिश- पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी अपने साथ एक चाकू लेकर आया था, उसका प्लान छात्रा को मारने का छुट्टी से पहले ही था। वह दिनभर छात्रा संग बैग में चाकू लेकर घूमता रहा। वारदात के बाद वह घर पहुंचा और रोजाना की तरह रहने लगा। उसने बताया उसे लगा ही नहीं था कि कभी भी छात्रा का शव परिवार को मिलेगा। यू-ट्यूब पर वीडियो देखकर मोबाइल किया फॉरमेट-आरोपी की गिरफ्तारी होने के बाद पुलिस ने उसका मोबाइल बरामद किया। पता चला कि मोबाइल फॉरमेट हो चुका है। इंस्टाग्राम एप भी नहीं है। इसके बाद पुलिस ने इंस्टाग्राम एप डाउनलोड किया तो डाटा रिकवर हो गया। पता चला कि आरोपी के पास छात्रा की भी इंस्टाग्राम आईडी और पासवर्ड भी था। पूछताछ में बताया कि यू-ट्यूब पर वीडियो देखकर उसने अपना मोबाइल फॉरमेट कर दिया था, ताकि किसी को इसकी भनक न लग सके। चैटिंग में लिखा था बालसन चौराहे पर मिलो- पुलिस की जांच में छात्रा के इंस्टाग्राम चैटिंग पर एक मैसेज मिला था कि बालसन चौराहे पर मिलो। इसी के आधार पर पुलिस ने बालसन चौराहे पर लगे कैमरों को खंगाला तो आरोपी फुटेज में छात्रा संग कैद था। डीसीपी नगर मनीष शांडिल्य ने बताया कि पकड़े गए आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ में आरोपी बताया कि जून माह में छात्रा से प्रयागराज में पहली मुलाकात हुई। दोनों में चैटिंग और वीडियो कॉलिंग होने लगी। इस बीच फेसबुक आईडी समेत अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से छात्रा को पता चला कि उसकी शादी तय हो गई है। वह अपने साथ शादी करने के लिए जिद करने लगी। काफी मनाने के बावजूद वह अड़ी रही। शादी करने का झूठा वादा कर उसे 10 नवंबर को स्कूल के बहाने बालसन चौराहे पर मिलने के लिए बुला लिया।30 नवंबर को आरोपी की होनी थी शादी- आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह पटियाला में ट्रेड गनर के रूप में कार्यरत है। 30 नवंबर को सोरांव थाना क्षेत्र की एक युवती से उसकी शादी होनी है, इसलिए वह आठ नवंबर से छुट्टी पर चल रहा है। उसने बताया कि छात्रा के मामा का घर उसके गांव कुसुंगुर के पास है। छात्रा के ममेरे भाई गांव के ही एक मैदान में दौड़ने आया करते थे। इसके बाद से वह छात्रा को जानने लगा था। करीब आठ माह पहले इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई। हत्या के बाद उसी के दुपट्टे से बांधे दोनों पैर- आरोपी की ओर से पुलिस को दिए गए बयान के अनुसार बाइक पर छात्रा को बिठाने के बाद वह कंपनी बाग गया। शाम पांच बजे तक साथ रहने के बाद उसे घटनास्थल पर ले गया। इसके बाद चाकू से उसकी हत्या कर दोनों पैर उसी के दुपट्टे से बांध दिया और फिर पास के मंदिर के पास रखे फावड़े की मदद से उसे जमीन में दफना कर फरार हो गया। छात्रा के बैग को घटनास्थल से करीब डेढ़ से दो किलोमीटर की दूरी पर फेंक दिया।

साढ़े पांच घंटे में सब कुछ खत्म... दो मासूम अनाथ, नौकरी से रोका तो महिला ने पीया जहर, पति ने भी दी जान

मुरादाबाद जिले से सनसनीखेज मामला मामला सामने आया है। पाकबड़ा में फलैदा गांव में दंपती ने खुदकुशी कर ली। महिला ने नौकरी करने से रोके जाने से नाराज होकर जान दी तो पति ने पत्नी की मौत से आहत होकर ट्रेन के सामने कूदकर खुदकुशी कर ली।मुरादाबाद के पाकबड़ा थाना क्षेत्र के फलैदा गांव में मामूली विवाद को लेकर पति-पत्नी द्वारा आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। बताते हैं कि मीरा कुमारी (30) ने नौकरी करने से रोके जाने से नाराज होकर रविवार की रात कीटनाशक पीकर जान दे दी। पत्नी की मौत से आहत पति अमीर चंद्र ने सोमवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। पति के शव का अमरोहा व महिला के शव का मुरादाबाद में पोस्टमार्टम कराया गया है।पाकबड़ा के फलैदा गांव निवासी अमीर चंद्र (35) खेती के साथ ही राजमिस्त्री का काम भी करता था। परिवार के लोगों ने पुलिस को बताया कि अमीरचंद्र की शादी करीब आठ साल पहले संभल जिले के चंदौसी थाना क्षेत्र के गुमथल गांव निवासी मीरा कुमारी (30) के साथ हुई थी। पति को नहीं था पत्नी का नौकरी करना पसंद इस दौरान दंपती के दो बच्चे माधव (6)और वासु (4) हुए हैं। दांपत्य जीवन सामान्य चल रहा था। करीब दो पहले मीरा ने भी परिवार का खर्च चलाने के लिए पति की मदद करने के उद्देश्य से लोधीपुर गांव स्थित पीतल फर्म में नौकरी करनी शुरू कर दी थी लेकिन पति अमीरचंद्र को पत्नी का नौकरी करना पसंद नहीं था। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच अनबन रहने लगी। परिजनों ने बताया कि दोनों में जब नोकझोक हुई तो कई बार दोनों समझा कर अनबन खत्म कराने का प्रयास किया गया। उस समय दो दोनों चुप हो गए लेकिन शायद मन साफ नहीं हो पाया। रविवार की शाम करीब सात बजे फिर से दोनों के बीच इसी बात को लेकर बहस हो गई। पति की कही बातें मीरा को लग गईं। विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर मीरा ने घर में रखा कीटनाशक पी लिया। जिससे उसकी हालत बिगड़ने लगी तो घबराए परिजन उसे टीएमयू ले गए। मीरा का उपचार शुरू किया गया लेकिन रविवार की रात करीब 12 बजे मीरा की मौत हो गई। इसकी जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव कब्जे में ले लिया, हालांकि बाद में शव को परिजन घर ले गए। पत्नी की मौत की खबर अमीरचंद्र के लिए भी असहनीय हो गई। ट्रेन के सामने लगाई छलांग आहत अमीरचंद्र सोमवार की सुबह करीब साढ़े पांच बजे गांव के पास ही मुरादाबाद-दिल्ली रेल लाइन पर पहुंचा और जैसे ही ट्रेन आई तो उसने उसके आगे छलांग लगा दी। जिससे ट्रेन से कटकर उसकी मौत हो गई। ट्रेन गुजरने के बाद लोगों ने टुकड़ों में शव पड़ा देखा तो पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलने पर जीआरपी अमरोहा भी मौके पर पहुंची और शव कब्जे में ले लिया। साढ़े पांच घंटे में सब कुछ खत्म..दो मासूम अनाथ पत्नी मीरा का इरादा तो नौकरी करके परिवार के संचालन में पति की सहायता करने का था, इसलिए ही उसने लोधीपुर की पीतल फर्म में काम शुरू किया था। इसके पीछे उसके बच्चों माधव और वासु के सपने भी छिपे थे। शायद उसने सोचा था कि पति पत्नी दोनों ही काम करेंगे तो बच्चों को बेहतर परवरिश दी जा सकेगी। उनकी पढ़ाई लिखाई अच्छी हो सकेगी लेकिन अमीरचंद्र को भी अपनी पत्नी से कम स्नेह नहीं था, वह नहीं चाहता था कि उसके होते हुए उसकी पत्नी काम करने के लिए बाहर जाए। दोनों की सोच नेक और स्नेहभरी थी लेकिन भावनाओं को समझ न पाने की वजह से एक दूसरे की परवाह करने वाले पति पत्नी जिंदगी खत्म हो गई और जिन बच्चों की वह बेहतर परवरिश की सपने संजो रहे थे, वह अनाथ हो गए। काश, यदि दोनों ने ही रविवार की अंधेरी रात को आत्मघाती कदम उठाने से पहले कुछ देर नौकरी करने के पीछे भावनाओं और बच्चों के भविष्य के बारे में सोचा होता, तो रात्रि 12 बजे से सुबह साढ़े पांच बजे तक साढ़े पांच घंटे में माधव व वासु के सिर से माता पिता का साया न उठता। उनका भविष्य संवरने से पहले ही स्याह न होता। जहर से महिला की मौत की पुष्टि एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि परिवार के लोगों से पूछताछ में पता चला कि नौकरी को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। पहले महिला ने कीटनाशक दवा को पी लिया था, उसकी मौत होने के बाद पति ने भी ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जहर के सेवन से महिला की मौत होने की पुष्टि हुई है। अमीर चंद्र के शव का पोस्टमार्टम जीआरपी अमरोहा ने कराया है।

अयोध्या में ध्वजारोहण समारोह: इकबाल अंसारी बोले, मैं भी जाऊंगा... जिनकी आस्था थी उन्हें मंदिर मिल गया

अयोध्या में 25 नवंबर को होने वाले ध्वजारोहण समारोह के बारे में इकबाल अंसारी ने कहा कि सभी खुश हैं। मुझे भी निमंत्रण आया है। मैं भी समारोह में शामिल होऊंगा।बाबरी मामले के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी ने मंगलवार को कहा कि 25 नवंबर को नगर में होने वाले ध्वजारोहण समारोह में मैं भी जाऊंगा। मुझे भी मोबाइल फोन पर निमंत्रण मिला है। नगर में माहौल बना हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आ रहे हैं। 2019 में आए फैसले को सभी ने स्वीकार किया है। देश के मुसलमानों ने भी सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय को स्वीकार किया है।उन्होंने कहा कि जिन लोगों की आस्था थी उन्हें मंदिर मिल गया है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भूमि पूजन समारोह हुआ। प्राण प्रतिष्ठा हुई और अब ध्वजारोहण समारोह हो रहा है। सभी अयोध्यावासी खुश हैं।चार घंटे अयोध्या में रहेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसके पहले, मंगलवार को कार्यक्रम की जानकारी देते हुए राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि 25 नवंबर को ध्वजारोहण के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगभग चार घंटे अयोध्या में प्रवास करेंगे। अपने दौरे की शुरुआत प्रधानमंत्री सप्त ऋषि मंदिर से करेंगे, जहां सातों ऋषियों की प्रार्थना की जाएगी। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच वैदिक आचार्य उनके लिए विशेष पूजा-अर्चना कराएंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री शेषावतार मंदिर का रुख करेंगे, जहां वे भगवान राम के अनन्य भक्त लक्ष्मण के सम्मुख आराधना करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण धर्म ध्वज फहराने का शुभ मुहूर्त 11:58 बजे से दोपहर एक बजे तक निर्धारित किया गया है। इसी पवित्र समयावधि में प्रधानमंत्री राम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वज पताका फहराएंगे। इसके बाद वे देश को संबोधित करेंगे और राम मंदिर निर्माण कार्य की पूर्णता की औपचारिक घोषणा भी करेंगे।

यूपी की लुटेरी दुल्हन: एक महिला और चार शादी... दो दरोगा और दो बैंक मैनेजेरों संग लिए फेरे; दिव्यांशी की कहानी

यूपी पुलिस के दरोगा को झांसा देकर चौथी शादी रचाने वाली लुटेरी दुल्हन को कानपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कानपुर के ग्वालटोली थाने में तैनात दरोगा ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोपी लुटेरी दुल्हन दिव्यांशी के पास कई करोड़ रुपये मिलने का अनुमान है।उत्तर प्रदेश से लुटेरी दुल्हन की हैरान करने वाली कहानी सामने आई है। कानपुर जिले के ग्वालटोली थाना पुलिस ने शादी के नाम पर ठगी करने की आरोपी मेरठ की बड़ा मवाना निवासी दिव्यांशी को सोमवार की दोपहर गिरफ्तार कर लिया है। उसके बैंक खातों में करोड़ों रुपये होने का अनुमान है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में आरोपी महिला ने दो बैंक अधिकारियों समेत 10 से अधिक लोगों को जाल फंसाकर रकम वसूली है। आरोपी के खिलाफ थाने में तैनात रहे दरोगा आदित्य कुमार लोचव ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस मंगलवार को आरोपी महिला को कोर्ट में पेश कर सकती है। बुलंदशहर के बीबीनगर में रहने वाले आदित्य कुमार ने 17 फरवरी 2024 को मेरठ के बड़ा मवाना निवासी दिव्यांशी चौधरी से धूमधाम से विवाह किया था। आदित्य का आरोप था कि शादी के बाद से दिव्यांशी ससुराल में नहीं रुकती थी। वह मायके में रहकर बीएड और सीटेट की तैयारी की बात कहती थी। उनसे ऑनलाइन रुपये मंगवाया करती थी लेकिन ससुराल आने पर अपने सारे यूपीआई एप डिलीट कर देती थी। दरोगा के मुताबिक, शादी के चार महीने बाद वह घर गए थे। दिव्यांशी भी मौजूद थी। उन्होंने उसके हाथ से मोबाइल ले लिया। इस पर वह सकपका गई। उसके मोबाइल पर यूपीआई के सारे एप डिलिट थे। इसके बाद धीरे-धीरे राज खुलता चला गया। ग्वालटोली इंस्पेक्टर संतोष गौड़ ने बताया कि शुरुआत में आरोपी के खिलाफ कोई ठोस सुबूत नहीं मिले थे लेकिन फिर साक्ष्य मिलने के बाद उसे गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के पास जो साक्ष्य हैं उसके मुताबिक आरोपी महिला ने दो बैंक मैनेजर, दो पुलिस कर्मियों से शादी कर चुकी है। सभी पर आरोप लगाकर उनसे मोटी रकम वसूली है। डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसको मंगलवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस ने दिया लुटेरी दुल्हन नाम- पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी के तरीके के आधार पर उसको लुटेरी दुल्हन की संज्ञा दी गई। वह पहले रीति रिवाज से शादी करती है और दुष्कर्म का आरोप लगाकर एफआईआर दर्ज करा देती थी। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद उससे वसूली करती थी। पिछले साल 25 नवंबर को हुआ था हाईवोल्टेज ड्रामा- पिछले साल 25 नवंबर को कमिश्नरी कार्यालय में दिव्यांशी ने हाईवोल्टेज ड्रामा कर पति आदित्य पर परेशान करने और 14.50 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाया था। उसने कहा था कि पति के कई महिलाओं से संबंध हैं। वह सोशल मीडिया पर दोस्ती कर युवतियों को अपने जाल में फंसाता है फिर उसकी वीडियो और फोटो के दम पर ब्लैकमेल करता है। तत्कालीन पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने एडीसीपी महिला अपराध से मामले की जांच कराई थी।

संक्षिप्त समाचार

कफ सिरप मामले की जांच करेगी तीन सदस्यीय एसआईटी, ईडी-आयकर विभाग भी कसेगा शिकंजा

वाराणसी में कफ सिरप मामले की जांच तीन सदस्यीय एसआईटी करेगी। पुलिस आयुक्त ने पुलिस उपायुक्त काशी जोन सरवणन टी की अगुवाई में एसआईटी बनाई, जो सात दिन में जांच करके रिपोर्ट देगी। कोडीन युक्त कफ सिरप की खरीद-बिक्री मामले की जांच तीन सदस्यीय एसआईटी करेगी। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने सोमवार को अपर पुलिस उपायुक्त काशी जोन सरवणन टी की अगुवाई में एसआईटी गठित कर दी। इसमें सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली और प्रभारी निरीक्षक कोतवाली को सदस्य बनाया गया है। एसआईटी पूरे मामले की जांच करके सात दिन में रिपोर्ट देगी। दूसरी तरफ, कफ सिरप की खरीद-बिक्री का मामला 100 करोड़ से ज्यादा का हो सकता है इसलिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी जांच कर सकता है। आयकर विभाग ने जांच शुरू कर दी है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने 28 आरोपियों के खिलाफ पहले ही प्राथमिकी दर्ज की थी। सोमवार को शुभम जायसवाल और उसके पिता भोला प्रसाद सहित सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी गई लेकिन कामयाबी नहीं मिल सकी। आरोपियों की तलाश में क्राइम ब्रांच भी लगी है। अब अलग-अलग केंद्रीय एजेंसियां जांच के लिए सामने आ रही हैं। सूत्रों के मुताबिक ड्रग विभाग के साथ ही आयकर विभाग, पुलिस की संयुक्त टीमें गिरोह के मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल के नेटवर्क को खंगाल रही हैं। ईडी ने भी ब्योरा तलब किया है। जांच एजेंसियों को शक है कि शुभम विदेश भाग गया है इसलिए गृह मंत्रालय के माध्यम से लुकआउट नोटिस जारी कराने की तैयारी है। गाजियाबाद पुलिस पहले से ही लुकआउट नोटिस जारी कराने की पैरवी कर रही है क्योंकि शुभम के खिलाफ गाजियाबाद में भी प्राथमिकी दर्ज है। सूत्रों के मुताबिक, कोडीन युक्त कफ सिरफ की खरीद-बिक्री का खेल पांच राज्यों में किया जा रहा है। काशी की सप्तसागर दवा मंडी के कारोबारियों की भूमिका संदिग्ध मिली है। कार्रवाई के डर से 20 दवा कारोबारी भूमिगत हैं। सप्तसागर दवा मंडी का अध्यक्ष बनने की तैयारी में था कम समय में अकूत दौलत कमाने वाला शुभम अब अपने को राजनीति में सेट कर रहा था। वह सप्तसागर दवा मंडी के चुनाव में अध्यक्ष पद की दावेदारी कर रहा था। मंडी के ज्यादातर दवा कारोबारियों ने उसके नाम पर हामी भर दी थी।

मेरठ में सांस लेना दूभर, 404 एक्यूआई के साथ जहरीली हुई हवा, बागपत में भी हाल बुरा

मेरठ का एक्यूआई दिन निकलते ही 400 के पार पहुंच गया। हवा में घुल रहे डस्ट पार्टिकल के कारण सांस लेना दूभर हो गया। वहीं रात का पारा गिरने से ठंड का अहसास बढ़ गया है। अभी बारिश के कोई आसार नहीं हैं। शहर में प्रदूषण को रोकने के लिए किया जा रहे दावे फेल साबित होते दिखाई दे रहे हैं। पिछले 20 दिन से प्रदूषण में गिरावट न आने के चलते लगातार हालात बिगड़ते जा रहे हैं। मंगलवार सुबह सबसे ज्यादा प्रदूषित पल्लवपुरम क्षेत्र रहा, जहां एयर क्वालिटी इंडेक्स 404 दर्ज किया गया।

जो कि बहुत खतरनाक श्रेणी में आता है।एनसीआर में अन्य दिनों की अपेक्षा मंगलवार की शुरुआत खराब रही। सुबह से ही एयर क्वालिटी इंडेक्स बढ़ता हुआ चला गया। एक के बाद एक शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स लाल श्रेणी में दर्ज होने के चलते आसपास के इलाकों में भी परेशानी देखनी पड़ी। मेरठ का एयर क्वालिटी इंडेक्स सुबह 400 के पार पहुंच गया। हवा इस समय बहुत खराब श्रेणी में चल रही है। फिलहाल कोई राहत नहीं दिख रही है। हवा की रफ्तार धीमी होने के चलते प्रदूषण का असर और भी ज्यादा तेज हो गया। वहीं रात के तापमान में गिरावट बढ़ने से ठंड का असर तेज हो रहा है। दिन में निकल रही धूप से भी राहत नहीं मिल रही है। सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉक्टर यूपी शाही का कहना है कि प्रदूषण का लेवल अभी ऐसे ही बना रहेगा। फिलहाल बारिश की संभावना नहीं है। हवा की रफ्तार धीमी होने के चलते जो डस्ट पार्टिकल हवा में घुल रहे हैं, जो किह मानव स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है।यह रहा प्रदूषण का हाल मेरठ शहर 388 पल्लवपुरम 404 गंगानगर 361 जयभीम नगर 399 मुजफ्फरनगर 321 नोएडा 367 बागपत 400 बुलंदशहर 341 दिल्ली 360 गाजियाबाद 423 ग्रेटर नोएडा 432

Thinking of throwing away leftover bread? Use it in these 6 ways that will have everyone saying, "If you have brains, you can do it like this."

Do you have a packet of bread lying on your kitchen counter, just about to expire? If so, this article is especially for you. Today, we'll tell you 6 unique and amazing ways to make your leftover bread quite useful. Let's find out. Many people think about throwing away leftover bread. It can be used in many ways in cooking. With some smart tricks, you can make it delicious. Almost everyone has a packet of leftover bread at some point. Bread can become hard or stale after a few days, and we often think of throwing it in the trash. Did you know that this isn't just a waste of food, but also an opportunity? Yes, instead of throwing away your leftover or slightly stale bread, you can use it in six amazing ways (Leftover Bread Uses) that will leave diners licking their fingers. Let's learn how to convert this 'waste' into 'best'. Bread Crumbs - The best use for leftover bread is to make bread crumbs. This is a kitchen hero that makes everything crispy. To do this, break the bread into small pieces and grind it in a mixer. Then lightly toast it on a pan or in the oven until crisp. Store these crumbs in an airtight container. Use them for coating cutlets, kebabs, or fried chicken. Your dish will be so crispy on the outside that everyone will ask what you used. Garlic Bread Chips - Cut the bread into thin triangles. Drizzle with melted butter, garlic, and oregano and bake or fry them. These crispy chips are delicious with evening tea or soup. Bread Upma or Poha - Tear leftover bread into small pieces. Temper it with onions, curry leaves, and mustard seeds, just like upma or poha. This makes a quick and filling breakfast. The bread absorbs the flavor of the spices in the tempering very well. Bread Pudding - This is a classic recipe for those with a sweet tooth. Soak bread pieces in a mixture of milk, sugar, egg (if using), and vanilla essence. Bake or steam it. It's a warm and comforting dessert that's easy to make. Shahi Tukda - If you only have a little bread left, deep-fry it in ghee and soak it in sugar syrup. Serve topped with thick rabri and dried fruits. Your old bread will transform into a wonderful royal dessert. Soup Thickener - This is a lesser-known hack. When making a thin soup or vegetable and need to thicken it, soak one or two slices of bread in water and grind them. Add this thick paste to your soup. It will instantly thicken and cream your soup without any cornflour, and it won't change the taste.

Your child will excel not only in academics but also in values; read 10 golden rules of parenting

Instilling good values ??in children should be a priority for every parent, as they form the foundation of their identity and character. Values ??not only educate but also teach the art of living. It is important to teach children values ??like truthfulness, respect, empathy, punctuality, and responsibility. Let's understand this in detail. Positivity should have a special place in parenting. Children should develop certain qualities from childhood. Through these qualities, they can become an example of goodness in society. Every parent desires that their child not only excels in studies but also has a cultured behavior, thinking, and lifestyle. In today's fast-paced world, where technology and social media quickly influence children, instilling good values ??has become more important than ever. Values ??are not just limited to books, but are also deeply connected to the environment around children, parents' behavior, and daily routine. Let's explore ways you can instill good values ??and manners in your children. Be an example - Children learn what they see. If you demonstrate humility, honesty, punctuality, and empathy, your children will imbibe the same. Develop a habit of meditation - Praying with the family, morning or evening, helps children develop mental stability, gratitude, and a positive attitude. Teach respect for elders - Small steps like touching the feet of elders, saying "Namaste," or speaking respectfully lay the foundation for greater values. Explain the importance of honesty - If a child lies, instead of punishing them, explain their mistake and explain the value of honesty, so they move forward with a lesson, not guilt. Teach service and kindness - Teach children to help the needy and care for plants and animals; this develops compassion and empathy. Start giving them responsibilities - Teach them to take care of their things, pack their school bags, or keep their room clean. This will develop self-confidence and discipline. Explain the importance of time - Encourage children to follow a proper daily routine. Waking up, studying, and playing on time helps discipline them. Instill awareness of good and bad touch - Safety is also included in values. Teach children what is appropriate and what is not, so they can be vigilant and distinguish between right and wrong. Leverage religious stories - Instilling moral values ??through religious texts like the Ramayana, the Mahabharata, and other folk tales has a profound impact on children's minds. Create a positive home environment - Listen carefully to everything your child says and allow them to speak openly. Communication with affection and trust builds self-confidence and tolerance. Developing good manners and etiquette in children isn't a one-day task; it gradually develops in their behavior, thinking, and experiences. If parents support them with love, patience, and regular guidance, children will truly become better individuals and contribute positively to society.

These 10 things turn love into conflict. Be careful before bitterness creeps into your relationship.

Whether it's friendship or life partner, relationships begin with love, but often small things can engulf the boat of love in a storm of conflict. If you want to save your relationship from breaking, pay attention to these 10 things that can sour a sweet relationship. Some everyday things poison a relationship. Don't compare your partner to others. A sense of "we" is essential to maintaining a relationship. Every relationship begins with rosy dreams—abundant love, respect, and golden promises for the future. But over time, certain habits or behaviors become ingrained in our behavior that secretly turn a sweet relationship sour. These things seem so minor that we ignore them, but these very cracks later become the chasms of major conflicts. If you don't want your heartfelt relationship to turn into hatred or conflict, you need to recognize these 10 things immediately. Let's find out which habits are constantly dragging down the 'love meter' of your relationship... Underestimating your partner: In any relationship, the biggest mistake is to consider your partner 'less than' or 'insignificant'. When you start to think that your partner's thoughts or feelings are less important, they begin to feel disrespected, and this is where the distance begins to grow. Always remember, respect for both is essential. Rehashing old mistakes: Recalling old mistakes in anger or during arguments undermines the relationship. If something is over, bury it. Digging up old wounds again and again only increases conflict, not love. Overestimating expectations: Having excessive expectations always leads to disappointment. When your partner fails to meet your expectations, you become disappointed and angry. Remember, your partner is human, not a magician. Let them be themselves. Constantly complaining - Some people have a habit of complaining about everything. "You didn't do this," "You always do this." Hearing constant complaints makes your partner feel like you're only looking for flaws. This gradually makes them stop talking to you. Comparing your partner to others - Comparing your partner to someone else, especially a friend or another couple, is like poison. Every person is unique. Comparisons make them feel like you don't accept them, which creates a rift in the relationship. Valuing "I" over "We" - Relationships are built on "We." If you prioritize your opinions, convenience, and preferences in everything, your partner will feel lonely. Maintaining balance in a relationship is crucial. Trying to change - Love means accepting your partner with their flaws. If you constantly try to change them to your liking, they will feel suffocated. A little change is okay, but don't try to erase someone's identity. Reacting instantly - In anger, we often speak harsh words without thinking. This small thing can cause great harm. Whenever anger arises, pause for a minute and take a deep breath before responding immediately. Not giving personal space - Being in a relationship doesn't mean you have to be with each other 24 hours a day. Everyone needs their own free time and personal space. If you don't give your partner personal space, they may feel trapped. Lying about small things - The foundation of a relationship is trust. Whether small or big, lying breaks this trust. Once trust is broken, suspicion and conflict enter the relationship, making it difficult to recover. Remember, love is a delicate plant that requires constant care. If you avoid these 10 things, your relationship will always be filled with love and respect.

The Delhi High Court raised these questions in the "Ba***ds of Bollywood" vs. Sameer Wankhede case, and the hearing will take place on this day.

The Delhi High Court heard the "Ba***ds of Bollywood" vs. Sameer Wankhede case, where lawyers from both sides presented their arguments. The court also raised some questions about bias in Aryan Khan's show. - the Delhi High Court raised these will take place on this day. The Delhi arguments in the defamation suit filed "Ba***ds of Bollywood." Senior argued that it was merely a comedy. Cordelia Cruises incident involving current situation. Senior advocate these characters are not real but Wankhede's argument, other claims against the series, which is a Laxman, the senior advocate argued someone in a high-ranking position. example of someone who mocked the Court stated that RK Laxman had no Wankhede, who had drug cases. The removed. Senior advocate J. Sai court that if they claim it is a satire, satire is based on real events. He said, real, not fiction." Satire is based on has been insulted by showing this any harm if this scene is removed.

Sameer Wankhede had filed a defamation suit questions about the show - the next hearing High Court on Monday resumed hearing by Sameer Wankhede against the Netflix series Advocate Kaul, representing Red Chillies, The court also pointed out the impact of the Aryan Khan and Sameer Wankhede on the Kaul, representing Red Chillies, argued that fictional, and that if the court accepts producers and journalists could file similar satire on Bollywood. Citing the example of RK that the series could have been inspired by He said, "RK Laxman's character is an Prime Minister." At this point, the Delhi High background, unlike Aryan Khan and Sameer scene involving Wankhede was sought to be Deepak, representing Wankhede, told the they must also disclose what it is based on, as "Satire is usually based on something that is something. Who are you satirizing? Wankhede scene. Red Chillies and Netflix will not suffer Deepak further argued that numerous cases have fallen on Wankhede "like a brick" following Aryan Khan's arrest and investigation aboard the Cordelia Cruises. The court then inquired about the pending cases against Wankhede, including proceedings by the CBI, ED, and CAT. However, senior advocate Kaul, representing Red Chillies, argued that the CBI and ED investigations were not Red Chillies' responsibility. He said that the film's director (Aryan Khan) was involved in this case, not Red Chillies or Netflix. When will the case be heard? Deepak further said, "Red Chillies and Netflix are in collusion. They are not saying that we are just a medium, so Netflix is ??also responsible to some extent." The Delhi High Court will continue hearing the case on November 26.

Who in Nagarjuna's family was digitally arrested? The actor revealed this after Emmadi Ravi's arrest.

Nagarjuna Akkineni has reacted to the arrest of Tollywood piracy kingpin Emmadi Ravi. He praised the Telangana Police's action and warned the public about the rise in online fraud. The actor revealed that a member of his own arrest" scam. Nagarjuna Akkineni Digital Arrest at His Home Nagarjuna conference on Monday, November 17. Police Commissioner VC Sajjanar and He recounted an incident in his family, to digital arrest for two days. Tollywood press conference held in Hyderabad, the Ibomma and Bappam film piracy managing several websites hosting police, saying they had done a great job action would help not only the Telugu On this occasion, he also spoke about websites and online traps. Nagarjuna that a member of his family was under Nagarjuna revealed that a member of scam. The incident occurred six months incident, the Ghost actor said, "I own home about six months ago. A

family was subjected to a two-day "digital Reacts to Emmadi Ravi's Arrest - Actor Reveals Akkineni spoke about digital scams at a press The actor attended the event with Hyderabad his friends and co-stars from the film industry. saying that a member of his family was subjected piracy kingpin Emmadi Ravi arrested - At a arrest of Emmadi Ravi, founder of the notorious networks, was announced. He was known for pirated films. Nagarjuna praised the Telangana by arresting the accused. He also stated that this film industry but also films in other languages. caution and raising awareness about fraudulent made this revelation - Nagarjuna Akkineni said 'digital arrest'. At the press conference, his own family was a victim of the 'digital arrest' ago and lasted for two days. Talking about the remember a similar incident happening in my member of my family was digitally arrested for two days. These organizations will track us and try to find out our vulnerabilities. What is digital arrest? - Digital arrest scams have increased significantly worldwide. This scam has emerged as a rapidly growing form of cybercrime, where fraudsters impersonate government officials, threaten victims through audio or video calls, and hold them hostage online, instilling fear in them and extorting money."

Ajay Devgn's film's math has changed, earning this much at the box office.

Ajay Devgn and Rakul Preet Singh's romantic comedy, De De Pyaar De 2, has been racing like a bullet train at the box office since its release. Let's find out how much the film earned on Monday. De De Pyaar De 2 Box Office Collection on Monday? Did the romantic comedy pass or fail Singh's romantic comedy, De De Pyaar De 2, is Directed by Anshul Sharma and written by Luv theaters on November 14. In addition to Ajay and R. Madhavan, Javed Jaffrey, Meezaan Jaffrey, Pyaar De Box Office Collection Day 4: The sequel This is Ajay's second film with R. Madhavan after box office with ?8.75 crore on its first day. It made However, on Monday, its collections changed. Let's day. De De Pyaar De 2, which opened with ?8.75 second day and ?13.75 crore on its third day. office, earning just ?2.84 crore. This is a significant digits through the weekend. Now, on its fourth day, recorded a significantly lower collection. The first collection, the film's total collection has now whether Ajay Devgn's film can maintain its over ?100 crore at the box office, and the producers

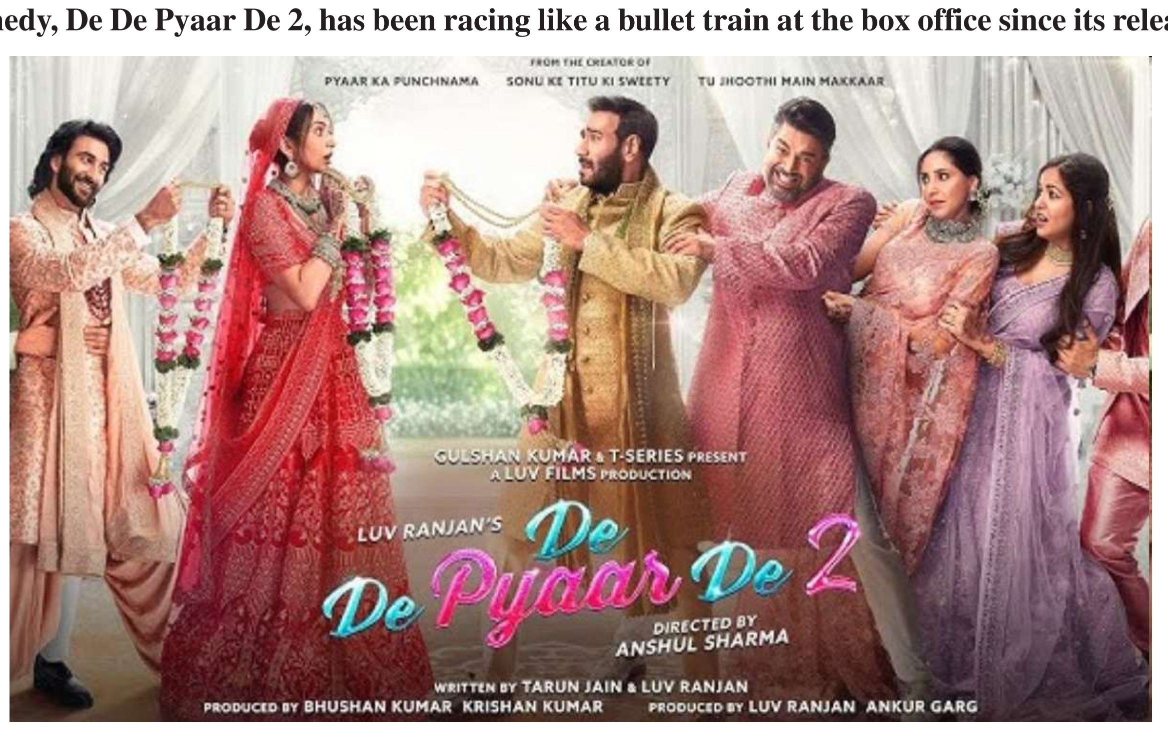

Day 4: How much did Ajay Devgn's film collect the Monday test? Ajay Devgn and Rakul Preet the sequel to the 2019 hit film De De Pyaar De. Ranjan and Tarun Jain, the film released in Rakul, the film features a stellar cast including Gautami Kapoor, and Ishita Dutta. De De picks up right where the previous film left off. Shaitan. The romantic comedy opened at the strong earnings over the next three days. find out how much the film earned on its fourth crore on its first day, earned ?12.25 crore on its However, on its fourth day, it tanked at the box drop in its earnings, as it had earned double it has not only reached single digits but also film grossed over ?100 crore. With its four-day reached ?37.59 crore. It remains to be seen earnings momentum, as the first film grossed have similar expectations for this film. What's the story? In the first film, Rakul Preet Singh's character (Ishika) falls in love with Ajay Devgn's character (Ashish), who is twice her age. The two plan to spend their lives together, but before that, Ashish introduces Ishika to his family. Ashish is separated from his wife and has two children. When Ishika and Ashish visit his family, a lot of situational comedy ensues. The film provided plenty of laughs and was a box office success. The sequel continues the story, with Ishika introducing Ashish to his family.